वर्ष : 34 » अंक : 120 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, सोमवार, 7 जुलाई 2025 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

शेफाली की याद में छलका पराग त्यागी का दर्द

▶ पेज-7

एजबेस्टन में टीम इंडिया ने रचा इतिहास

58 साल बाद इंग्लैंड को उसी की ज़मीन पर पटखनी

एजेंसी । एजबेस्टन

भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया कि जुनून, जज्बा और युवा ताकत अगर साथ हो, तो इतिहास बदला जा सकता है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने एजबेस्टन टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हरा दिया, और 58 साल बाद इस मैदान पर अपनी पहली जीत दर्ज की। बर्मिंघम स्थित एजबेस्टन में भारत ने 1967 में पहली बार टेस्ट खेला था, लेकिन तब से लेकर अब तक उसे कभी जीत नसीब नहीं हुई थी। आठ मैचों में सात हार और एक ड्रॉ के बाद आखिरकार 2025 में टीम इंडिया ने इस मैदान पर जीत का स्वाद चखा। यह जीत उतनी ही ऐतिहासिक मानी जा रही है, जितनी 2021 में ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली थी।

आकाश दीप ने मचाया कहर

आखिरी दिन बारिश ने टेंशन जरूर बढ़ाई, लेकिन जैसे ही शाम 5:10 बजे खेल शुरू हुआ, तेज गेंदबाज़ आकाश दीप ने मैच को एकतरफा बना दिया। दूसरी पारी में उन्होंने ऑली पोप, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। आकाश ने मैच में 10 विकेट लेकर इतिहास रच दिया और इंग्लैंड की धरती पर एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज़ बन गए। इससे पहले 1986 में चेतन शर्मा ने यही कारनामा इसी मैदान पर किया था।

इंग्लैंड को सिर्फ 271 पर समेटा

इंग्लैंड की दूसरी पारी सिर्फ 271 रन पर सिमट गई। लंच से पहले वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स को आउट कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बाद गेंदबाज़ों ने कमाल की साझेदारी तोड़ते हुए टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह जीत कप्तान शुभमन गिल के लिए भी खास रही। उन्होंने न सिर्फ पहली बार टीम की अगुआई की, बल्कि कई सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज़ 1-1 से बराबर हो गई है और WTC 2025-27 में भारत का खाता भी खुल गया है। टीम इंडिया एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम भी बन गई है। इस मैदान पर दक्षिण एशियाई टीमों को कभी सफलता नहीं मिली थी, लेकिन भारत ने इस मिथक को भी तोड़ दिया। भारत ने न सिर्फ इंग्लैंड को उसकी ज़मीन पर धूल चटाई, बल्कि एजबेस्टन का 58 साल पुराना सूखा भी खत्म किया।

BRICS में PM मोदी का तीखा संदेश

ग्लोबल साउथ के बिना वैश्विक संस्थाएं बेजान

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ को वैश्विक निर्णयों में वास्तविक भागीदारी दी जानी चाहिए, केवल प्रतीकात्मक समर्थन नहीं। PM मोदी ने ग्लोबल साउथ की उपेक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा ग्लोबल साउथ के बिना ये वैश्विक संस्थाएं ऐसे हैं, जैसे मोबाइल में सिम कार्ड हो, लेकिन नेटवर्क न हो। उन्होंने दो टूक कहा कि 20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाएं आज भी दुनिया की दो-तिहाई आबादी को उचित प्रतिनिधित्व देने में विफल हैं। PM मोदी ने विकास, संसाधनों के वितरण और वैश्विक सुरक्षा जैसे मामलों में ग्लोबल साउथ को हाशिए पर रखने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि क्लाइमेट फाइनेंस, टेक्नोलॉजी एक्सेस और सतत विकास जैसे मुद्दों पर हमें सिर्फ नाम मात्र का समर्थन मिला है।

टाइपराइटर से सॉफ्टवेयर नहीं चलता

दुनिया हर हफ्ते AI और तकनीक में अपडेट देख रही

मोदी ने वैश्विक संस्थानों की कार्यप्रणाली पर तंज कसते हुए कहा जब दुनिया हर हफ्ते AI और तकनीक में अपडेट देख रही है, तब 80 साल पुरानी संस्थाएं बिना अपडेट के कैसे चल सकती हैं? 20वीं सदी के टाइपराइटर से 21वीं सदी का सॉफ्टवेयर नहीं चलाया जा सकता।

BRICS विस्तार को बताया समयानुकूल बदलाव

प्रधानमंत्री ने BRICS के विस्तार को संगठन की सकारात्मक सोच और बदलाव की क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि BRICS यह दिखा रहा है कि समय के अनुसार संस्थाएं कैसे खुद को परिवर्तनशील और प्रासंगिक बना सकती हैं।

UNSC, WTO जैसे संस्थानों में सुधार की जरूरत

PM मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि अब वक्त आ गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC),विश्व व्यापार संगठन (WTO),बहुपक्षीय विकास बैंक जैसी संस्थाओं में भी वास्तविक और संरचनात्मक सुधार किए जाएं। उन्होंने कहा जैसे BRICS ने नए मित्रों को जोड़ा, वैसे ही हमें वैश्विक संस्थानों में भी सुधार के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखानी होगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह भाषण ना सिर्फ ग्लोबल साउथ के लिए एक सशक्त आवाज़ था, बल्कि यह संकेत भी था कि भारत अब वैश्विक व्यवस्था में वास्तविक, प्रभावी और न्यायसंगत बदलाव की मांग को दुनिया के हर मंच पर दृढ़ता से उठाता रहेगा।

खबर संक्षेप

मराठी भाषा विवाद पर 'निरहुआ' ने दी चुनौती

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद ने राजनीतिक रंग ले लिया है। सड़कों तक पहुंच चुकी इस भाषा विवाद की लड़ाई पर अभिनेता और सिंगर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने भी प्रतिक्रिया दी है। निरहुआ ने यह चुनौती दी है कि वे भोजपुरी बोलते हैं और अगर किसी में दम है तो कोई उन्हें महाराष्ट्र से बाहर निकालकर दिखाए। निरहुआ ने ठाकरे बंधुओं यानी राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे को चुनौती दी है कि वे भोजपुरी में बोलने पर उन्हें महाराष्ट्र से बाहर निकालें। वहीं, भोजपुरी अभिनेता की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए मनसे नेता ने कहा कि अगर दिनेश लाल यादव में हिम्मत है तो उन्हें महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए।

लाल सागर में जहाज पर भीषण हमला

दुबई। रविवार को यमन के पास लाल सागर में एक व्यापारिक जहाज पर भारी हमला हुआ, जिसके बाद वह जलने लगा। हमलावरों ने उस पर गोलियां चलाईं और रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) से हमला किया। कुछ रिपोर्टों के मुताबिक, बाद में बम से लदी ड्रोन बोट्स ने भी उस जहाज को निशाना बनाया। अभी तक यह साफ नहीं है कि इस हमले के पीछे कौन है, लेकिन यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पूरा मध्य पूर्व पहले से ही तनाव में है- जैसे इस्राइल-हमास युद्ध, ईरान-इस्राइल संघर्ष और अमेरिका की तरफ से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमला। यमन के हूती विद्रोही पिछले कई महीनों से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उनका दावा है कि वे गाजा में इस्राइल के हमले के विरोध में ऐसा कर रहे हैं।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, एक मजदूर की मौत, पांच घायल

एजेंसी । विरुधु नगर

रविवार को तमिलनाडु के विरुधु नगर जिले में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके से हड़कंप मच गया। हादसे में 50 वर्षीय मजदूर एम. बालगुरुस्वामी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा केलाथैयिलपट्टी गांव स्थित एक लाइसेंस प्राप्त इकाई में उस समय हुआ, जब वहां दो केमिकल्स को मिलाया जा रहा था। स्थानीय पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान केमिकल के बीच घर्षण के चलते जोरदार विस्फोट हुआ। मृतक थिरुथंगल (शिवकाशी) का निवासी था। घायल मजदूरों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। फैक्ट्री के फोरमैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की भी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने की मुआवजे की घोषणा

मुख्यमंत्री स्टालिन ने घटना पर शोक जताते हुए पीड़ित परिवारों के लिए राहत राशि की घोषणा की है। मृतक के परिजनों को 4 लाख, गंभीर रूप से घायल श्रमिक को 1 लाख, अन्य घायलों को 50-50 हजार की सहायता राशि दी जाएगी।

पटाखा उद्योग में फिर उठे सुरक्षा सवाल

शिवकाशी, जो भारत में पटाखा निर्माण का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है, अक्सर इस तरह की घटनाओं के लिए सुर्खियों में रहता है। इस हादसे ने एक बार फिर फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की विस्तृत जांच में जुटे हैं।

भारत के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट जारी, फिर नंबर-1 पर अंबानी

एजेंसी । नई दिल्ली

फोर्ब्स ने जुलाई 2025 के लिए भारत के सबसे अमीर उद्योगपतियों की नई लिस्ट जारी कर दी है। इस साल भी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने देश के सबसे अमीर व्यक्ति के तौर पर पहला स्थान हासिल किया है। उनकी कुल संपत्ति करीब 116 अरब डॉलर (लगभग 9.5 लाख करोड़) तक पहुंच चुकी है, जिससे वे न केवल भारत बल्कि एशिया के भी सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं।

उद्योग से ग्लोबल पहचान तक

फोर्ब्स की इस लिस्ट से यह साफ है कि भारत के उद्योगपति सिर्फ देश के भीतर नहीं, बल्कि ग्लोबल स्तर पर भी अपनी मजबूत पहचान बना चुके हैं। रिटेल, फार्मा, टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टरों में इन अमीरों की पकड़ साल दर साल और मजबूत होती जा रही है। अंबानी और अडानी जैसे दिग्गज अब केवल उद्योगपति नहीं, बल्कि ग्लोबल बिजनेस लीडर की श्रेणी में गिने जाते हैं। 2025 की ये लिस्ट बताती है कि भारतीय उद्योग जगत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आने वाले सालों में भारत के अरबपतियों की यह गिनती और भी लंबी हो सकती है।

दूसरे और तीसरे नंबर पर कौन?

अंबानी के बाद गौतम अडानी दूसरे स्थान पर काबिज हैं। उनकी संपत्ति इस समय 84 अरब डॉलर के करीब है। पिछले सालों के उतार-चढ़ाव के बावजूद अडानी अब भी टॉप 2 में बने हुए हैं। तीसरे नंबर पर हैं टेक्नोलॉजी दिग्गज और HCL टेक के संस्थापक शिव नादर, जिनकी संपत्ति लगभग 36.9 अरब डॉलर है। इस लिस्ट में भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल चौथे स्थान पर हैं। 33.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ उन्होंने अपनी जगह और प्रभाव दोनों बनाए रखा है।

भारत के टॉप 10 सबसे अमीर लोग (जुलाई 2025)

स्थान	नाम	संपत्ति (USD)	आय का स्रोत	उम्र
1	मुकेश अंबानी	$115.3 B	रिलायंस इंडस्ट्रीज़	68
2	गौतम अडानी	$67.0 B	अडानी ग्रुप	63
3	शिव नादर	$38.0 B	HCL एंटरप्राइज	79
4	सावित्री जिंदल एवं परिवार	$37.3 B	ओपी जिंदल ग्रुप	75
5	दिलीप शांगवी	$26.4 B	सन फार्मा	69
6	सायरस पूनावाला	$25.1 B	सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया	84
7	कुमार मंगलम बिड़ला	$22.2 B	आदित्य बिड़ला ग्रुप	58
8	लक्ष्मी मित्तल	$18.7 B	आर्सेलर मित्तल	75
9	राधाकिशन दमानी	$18.3 B	डीमार्ट	70
10	कुशल पाल सिंह	$18.1 B	डीएलएफ	93

इज़राइल का गाज़ा पर बड़ा हवाई हमला

हमास का नौसेना कमांडर समेत तीन टॉप आतंकी ढेर

एजेंसी । नई दिल्ली

इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष में एक बार फिर गाज़ा सिटी को निशाना बनाकर इज़रायली सेना (IDF) ने बड़ा हवाई हमला किया है। इस ऑपरेशन में हमास के नौसेना बल के कमांडर रमज़ी रमज़ान अब्द अली सालेह को मार गिराया गया। सालेह को हमास की समुद्री हमलावर इकाई का मुख्य योजनाकार माना जाता था। हाल के दिनों में वह गाज़ा में तैनात इज़रायली सैनिकों पर समुद्री हमलों की योजना और क्रियान्वयन में लगा हुआ था।

कैफे पर हुआ हमला, 24 की मौत

टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला गाज़ा सिटी के एक कैफे पर किया गया, जहां सालेह और अन्य हमास आतंकी बैठक कर रहे थे। स्थानीय हमास से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में 24 लोगों की मौत हुई है। IDF ने बताया कि यह एक सटीक हवाई हमला था, जिसे वायुसेना, नौसेना, सैन्य खुफिया निदेशालय और शिन बेट की साझा खुफिया जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया।

सिद्धारमैया के बयान पर BJP का हमला

वैक्सीन पर झूठा आरोप न लगाएं

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा कोविड-19 वैक्सीन को अचानक हार्ट अटैक के मामलों से जोड़ने पर विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने रविवार को उनके बयान को ग़ैर-जिम्मेदाराना और बेबुनियाद बताते हुए बिना शर्त माफ़ी की मांग की है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि यह बयान प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय वैक्सीन की छवि खराब करने के लिए दिया गया है। जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. रविंद्रनाथ की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति ने सिद्धारमैया के बयान को अवैज्ञानिक बताते हुए खारिज कर दिया। समिति के मुताबिक, हार्ट अटैक की मौतें बहु-कारकीय (multifactorial) होती हैं, जिसमें जीवनशैली, आनुवांशिक कारण और पर्यावरणीय कारक शामिल होते हैं।

त्रिभाषा नीति के खिलाफ आज मुंबई में बड़ा प्रदर्शन

राज-उद्धव ठाकरे से मिल सकता है समर्थन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषा नीति के विरोध में आज मुंबई के आज़ाद मैदान में राज्यव्यापी प्रदर्शन होने जा रहा है। इस प्रदर्शन का आयोजन 'शालेय शिक्षण अभ्यास समिति' के नेतृत्व में किया गया है। इस आंदोलन को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का समर्थन भी मिल सकता है। सरकार द्वारा त्रिभाषा नीति लागू करने के लिए बनाई गई प्रो. नरेंद्र जाधव समिति को लेकर विरोध तेज हो गया है। समिति के सदस्य और शिक्षाविद दीपक पवार ने कहा कि सरकार ने पुराने आदेश भले रद्द किए हों, लेकिन नए समिति गठन से भाषा थोपने की तैयारी साफ झलक रही है। उन्होंने पूछा कि जब प्रो. जाधव बाल शिक्षा विशेषज्ञ नहीं हैं, तो उन्हें यह जिम्मेदारी क्यों दी गई?

समिति की 12 मांगें

प्रदर्शन से पहले समिति ने सरकार के सामने 12 सूत्रीय मांगपत्र पेश किया है। इनमें प्रमुख मांगें हैं :कक्षा 1 से 5 तक तीसरी भाषा लागू करने की योजना को पूरी तरह से रद्द किया जाए। शालेय शिक्षण मंत्री दादा भुसे और SCERT निदेशक राहुल रेखावर इस्तीफा दें। हिंदी भाषा पात्रता परीक्षा बंद की जाए। NCERT की पुस्तकों की अनिवार्यता पर रोक लगाई जाए। राज्य शिक्षा में हिंदी के बढ़ते प्रयोग पर श्वेतपत्र जारी किया जाए।

मराठी अस्मिता से जुड़ा मामला

विरोध को मराठी अस्मिता और मातृभाषा की रक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे पहले ही त्रिभाषा नीति को लेकर सरकार पर भाषा थोपने का आरोप लगा चुके हैं। समिति ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय का राजनीतिकरण कर रही है। आज़ाद मैदान में होने वाला आज का प्रदर्शन त्रिभाषा नीति के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा जनांदोलन माना जा रहा है। समिति ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने तत्काल फैसला नहीं बदला, तो यह आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

जेपी नड्डा का बड़ा दावा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में भी लहराएगा भगवा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगामी चुनावों को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बीजेपी पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में भी चुनाव जीतेगी। नड्डा ने यह बयान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिया और कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में आम जनता का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है। मोदी सरकार में गरीबी पर पड़ा असली प्रहार जेपी नड्डा ने कहा कि नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक सभी ने गरीबी हटाने की बात की, लेकिन वास्तव में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम नरेंद्र मोदी ने किया। रेल, हाईवे और अन्य विकास कार्यों की वजह से देश के हर कोने में भाजपा की पकड़ मजबूत हो रही है।

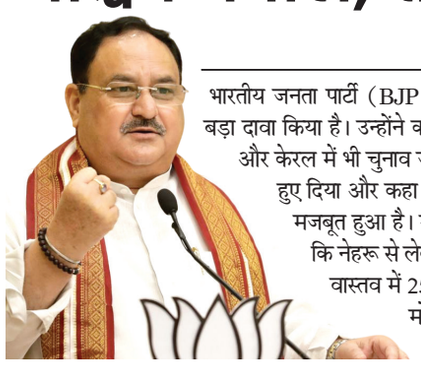

दिल्ली बीजेपी को मिलेगा नया दफ्तर

जेपी नड्डा ने जानकारी दी कि दिल्ली बीजेपी का नया कार्यालय लगभग तैयार हो चुका है और नवरात्रों में पूरी तरह कार्यशील हो जाएगा। उन्होंने नजफगढ़, बाहरी दिल्ली और महरौली जिलों के साथ-साथ हरियाणा के झज्जर, सिरसा और कुरुक्षेत्र के भाजपा जिला कार्यालयों का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी भी मौजूद थे। दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमने 11 अशोक रोड के छोटे से दफ्तर से शुरुआत की थी, आज पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता और 240 से अधिक सांसद हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

महाराष्ट्र राज्य कबड्डी संघ सांसद नरेश म्हस्के को 'आभार' पुरस्कार से सम्मानित करेगा

ठाणे। कबड्डी के खेल में उनके योगदान के लिए, ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के को महाराष्ट्र राज्य कबड्डी संघ की ओर से इस वर्ष के 'आभार' पुरस्कार के लिए चुना गया है। महाराष्ट्र राज्य कबड्डी संघ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य संघ द्वारा नियुक्त निर्णायकों के एक पैनल द्वारा चयन किया गया।इस वर्ष, 25वां कबड्डी दिवस समारोह रायगढ़ जिला कबड्डी संघ की मेजबानी में मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 को दोपहर 3 बजे जय मंगल कार्यालय, पांडव देवी, पोस्ट पोयनाड, ताल. अलीबाग, जिला. रायगढ़ में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में सांसद नरेश म्हस्के को 'अमृत कलश' से सम्मानित किया जाएगा।महाराष्ट्र राज्य कबड्डी संघ की ओर से 15 जुलाई को कबड्डी महर्षि स्वर्गीय शंकरराव (बुवा) सालवी के जन्मदिन को हर साल 'कबड्डी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर युवा, युवा और ओपन ग्रुप राष्ट्रीय टूर्नामेंट में राज्य की टीम के लिए खेलते हुए विशेष कौशल दिखाने वाले महाराष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति और पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। साथ ही, कबड्डी के क्षेत्र में वरिष्ठ कार्यकर्ता, वरिष्ठ अंपायर, वरिष्ठ खिलाड़ी, लगातार टूर्नामेंट आयोजित करने वाली संस्थाएं और कबड्डी की लोकप्रियता के लिए अथक प्रयास करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किया जाता है। इसके अलावा, कबड्डी, खिलाड़ियों और संस्थाओं के विकास में अमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ आयोजक को भी आभार पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

ठाणे शहर के कई इलाकों में मोहर्रम पर्व धूमधाम से मना

ठाणे। इस्लामी (हिजरी) कैलेंडर का पहला महिना मोहर्रम और मोहर्रम की 10 तारिक को आशुरा कहते हैं। इस दिन का इस्लाम धर्म में बहुत महत्व है। इस दिन इमाम हुसैन की शहादत भी हुई थी। बुराई के खिलाफ लड़ते हुए उन्होंने अपने पूरे खानदान की कुर्बानी दे दी।उनकी की याद में हजूरी जमा मस्जिद में सुन्नी मुस्लिम हुसैनी कमेटी की ओर से 10 दिन तक मौलाना द्वारा तकरीर किया गया और समाज के लोगों ने जंग की दास्तां सुनी। वहीं हजूरी नूरी रोड पर नवयुवकों ने साबिल का कार्यक्रम रखा। इस अवसर पर शरबत का वितरण किया गया। वहीं संजय गांधी मार्केट के अध्यक्ष निजाम एच. शेख के साथ सभी व्यापारियों ने बड़े उत्साह के साथ में हसन हुसैन की याद में शरबत का वितरण किया।

सपा ने बनाई त्रि-सदस्यीय समिति, अबू आसिम आजमी ने की रणनीति की घोषणा

भिवंडी। आगामी भिवंडी महानगरपालिका चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने रविवार को भिवंडी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि सपा ने उम्मीदवार चयन प्रक्रिया के लिए एक त्रि-सदस्यीय समिति गठित की है। अबू आसिम आजमी ने कहा कि यह समिति भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के लिए एक ग्यारह सदस्यीय चयन समिति बनाएगी, जो सपा प्रत्याशियों का चयन करेगी। उन्होंने दावा किया कि भिवंडी शहर में सपा की मजबूत पकड़ है और इस बार पार्टी जीत का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेगी। इस मौके पर सपा विधायक रईस शेख, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव और अरफात शेख भी मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मराठी भाषा और स्थानीय संस्कृति पर बोलते हुए अबू आसिम आजमी ने कहा महाराष्ट्र में मराठी का सम्मान है, जैसे हर राज्य में अपनी मातृभाषा का सम्मान होता है। लेकिन भाषा के नाम पर जबरदस्ती या गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ठाकरे भाइयों से घबराई BJP, बावनकुले को अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए: वडेट्टीवार

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले को यह चिंता छोड़ देनी चाहिए कि ठाकरे भाइयों की रैली में कांग्रेस क्यों नहीं गई। बेहतर होगा वे अपनी पार्टी की चिंता करें। उन्होंने कहा कि राज और उद्धव ठाकरे की एकता ने सत्ताधारी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है।वडेट्टीवार ने कहा कि ठाकरे बंधुओं की एकता से भाजपा घबरा गई है और बेतुके सवाल उठाने लगी है। भाजपा को यह सोचने की जरूरत है कि आखिर क्यों उनके ही नेता बौखला रहे हैं। उन्होंने कहा मैं किसी रैली में जाऊं या न जाऊं, इससे भाजपा को क्यों तकलीफ है? उन्हें अपनी राजनीति और गठबंधन पर ध्यान देना चाहिए।

'हम हिंदी विरोधी नहीं, जबरन थोपे जाने का विरोध है'

कांग्रेस नेता ने दोहराया कि कांग्रेस कभी भी हिंदी के खिलाफ नहीं रही है, हम सिर्फ यह चाहते हैं कि प्राथमिक कक्षाओं पर इसे जबरन थोपा न जाए। उन्होंने कहा कि मूल मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा नेता कांग्रेस की मौजूदगी पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि सच्चाई ये है कि लोगों का ध्यान अब उनकी विफलताओं पर है। विजय वडेट्टीवार ने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा आज भले ही मैं कांग्रेस का नेता हूं, लेकिन मेरा राजनीतिक जीवन शिवसेना से शुरू हुआ था। जो भी हूं, शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे की वजह से हूं। उन्होंने बताया कि बाला साहेब ने कभी राजनीति में जाति या धर्म नहीं देखा, उन्होंने हमेशा मराठी अस्मिता और हिंदुत्व को आगे रखा।

'शिवाजी महाराज ने कभी मस्जिद नहीं तोड़ी'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा 'महाराष्ट्र धर्म' पॉडकास्ट लॉन्च करने पर वडेट्टीवार ने कहा शिवाजी महाराज ने जिस धर्म की परिकल्पना की थी, वह नीति, नैतिकता और मानवता पर आधारित था। इसका किसी धार्मिक कट्टरता से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इतिहास में एक भी प्रमाण नहीं है कि शिवाजी महाराज ने किसी मस्जिद को नष्ट किया हो। बल्कि उन्होंने मस्जिद बनवाने और दुश्मनों का सम्मान करने का कार्य किया। विजय वडेट्टीवार ने अपने बयानों से भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए न सिर्फ ठाकरे बंधुओं की एकता का स्वागत किया, बल्कि भाजपा को 'घबराई हुई पार्टी' करार देते हुए उन्हें अपनी हालत पर ध्यान देने की सलाह दी। इससे महाराष्ट्र की सियासी गर्मी और बढ़ गई है।

महाराष्ट्र में तेज़ी से बढ़ा बुलेट ट्रेन का काम, भूमिगत सुरंग से स्टेशनों तक दिखी रफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना महाराष्ट्र में अब पूरी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के अंतर्गत ठाणे, विरार और बोईसर में एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण तीव्र गति से जारी है। विरार और बोईसर स्टेशनों के लिए पहला स्लैब पहले ही कास्ट किया जा चुका है, जबकि अन्य जगहों पर पियर नींव और निर्माण कार्य प्रगति पर है। अब तक करीब 44 किलोमीटर तक पियर निर्माण पूरा किया जा चुका है। पालघर से दहानु के बीच फुल स्पैन बॉक्स गर्डर लॉन्चिंग के ज़रिए वायडक्ट निर्माण का काम चल रहा है। वहीं, पालघर जिले में 7 पहाड़ी सुरंगों की खुदाई भी तेजी से हो रही है। इसके अलावा, वैतरणा, उल्हास और जगानी नदियों पर बुलेट ट्रेन पुलों का निर्माण शुरू कर दिया गया है।

भारत की पहली अंडरसी टनल बन रही है

इस परियोजना की सबसे खास बात है 21 किलोमीटर लंबी भूमिगत और समुद्री सुरंग, जो बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) से शिलफाटा तक बनेगी। इसमें से 16 किलोमीटर सुरंग टनल बोरिंग मशीन (TBM) और शेष 5 किलोमीटर न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (NATM) से बनाई जा रही है। इसमें से 7 किलोमीटर सुरंग ठाणे क्रीक के नीचे समुद्र के भीतर बनाई जा रही है, जो इंजीनियरिंग का एक ऐतिहासिक कारनामा है। शिलफाटा और ADIT पोर्टल से खुदाई के दो समवर्ती फेसों में अब तक कुल 4.1 किलोमीटर सुरंग हेडिंग का काम पूरा हो चुका है।

कल्याण में भक्ति और पर्यावरण का संगम, आषाढ़ी एकादशी पर विट्ठल ज्ञान दिंडी यात्रा संपन्न

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर कल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट, सेंचुरी रेयान, बी.के. बिड़ला महाविद्यालय, रात्रिकालीन महाविद्यालय, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल और सेंचुरी रेयान हाई स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञान दिंडी यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा में श्री विठोबा-रुक्मिणी जी की भक्ति के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी प्रमुखता से दिया गया।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की पूजा-अर्चना

यह भक्ति यात्रा बिड़ला महाविद्यालय परिसर, कल्याण से प्रारंभ होकर शहाड स्थित विट्ठल मंदिर में सम्पन्न हुई। यात्रा का शुभारंभ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में संत ज्ञानेश्वर और वारकरी परंपरा की महत्ता बताते हुए इस पहल की सराहना की और कहा कि ज्ञानेश्वरी परंपरा से प्रेरित ऐसी यात्राएं सामाजिक और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाती हैं।

भक्ति और संस्कृति से सजी झांकियां

यात्रा के दौरान विठोबा और रुक्मिणी के रथ, पालकी, लेज़िम पथक, ढोल पथक, योग प्रदर्शन, और भजन मंडलियों की प्रस्तुतियों ने जनमानस को भावविभोर कर दिया। हजारों वारकरी भक्तों की मौजूदगी में भक्ति की धारा बहती रही। यात्रा में क्षेत्र के कई शिक्षण संस्थानों और समाजसेवी संगठनों की सहभागिता रही।यात्रा का समापन शहाड स्थित विट्ठल मंदिर में महापूजा और आरती के साथ हुआ। इस दौरान के.डी.एम.सी. आयुक्त अभिनव गोयल, उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले और ओ.आर. चितलांगे ने महापूजा संपन्न करवाई। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

2016 से निरंतर चल रही परंपरा

उल्लेखनीय है कि यह यात्रा महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे के मार्गदर्शन में वर्ष 2016 से निरंतर आयोजित की जा रही है। इस वर्ष भी उन्होंने मंच पर उपमुख्यमंत्री को रुक्मिणी-विठोबा की मूर्ति, शॉल, श्रीफल और तुलसी पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस भव्य आयोजन में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, विधायक विश्वनाथ भोईर, कुमार आयलानी, सुलभा गायकवाड़, नरेंद्र पवार, प्रकाश भोईर, प्रमोद हिंदूराव, शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र, प्राचार्य डॉ. अविनाश पाटिल, डॉ. हरीश दुबे, और सेंचुरी रेयान के यूनिट हेड दिग्विजय पांडेय सहित कई विशिष्टजन उपस्थित रहे।

नासिक में 'दामिनी पथक' का जोरदार एक्शन, छह महीने में 4765 बदमाशों पर कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | नासिक

महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नासिक पुलिस आयुक्तालय द्वारा गठित 'दामिनी पथक' ने बीते छह महीनों में शहर के असामाजिक तत्वों पर सख्त शिकंजा कसा है। पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक की संकल्पना के तहत, 13 पुलिस थानों में तैनात दामिनी पथकों ने 4765 बदमाशों के खिलाफ निवारक कार्रवाई की है। परिमंडल दो की उपायुक्त मोनिका राऊत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। हर पुलिस थाने में दो महिला दामिनी अधिकारी गश्त करती हैं। 36 महिला दामिनियों ने अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर 'स्टॉप एंड सर्च' अभियान चलाया। उन्होंने 1120 सुनसान इलाकों, मैदानों और कॉलोनियों में संदिग्धों की तलाशी ली और कई को पकड़ा। 860 बार स्कूलों और कॉलेजों का दौरा कर उन्होंने छात्राओं में सुरक्षा का भरोसा जगाया। दामिनी पथकों के साथ-साथ एक स्वतंत्र हेल्पलाइन नंबर भी संचालित किया जा रहा है। इसके जरिए पीड़ित महिलाएं सीधे संपर्क कर सकती हैं। निर्भया पथक भी स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है, जिससे छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

मैदान में मोर्चा संभाले 'दामिनी मार्शल्स'

अंबड थाने की दामिनी मार्शल ममता धूम और कोमल आव्हाड ने गोविंदनगर से एक बांग्लादेशी महिला को हिरासत में लिया। ज्योति पवार और सोनाली बागूल ने पानी का मीटर चुराने वाले दो चोरों को रंगेहाथ पकड़ा। 24 मार्च को, दामिनी मार्शल एस.डी. वालुंज और मोरे ने गोदावरी नदी में डूबती एक महिला की जान बचाई। वालुंज ने कलानगर में चाकू लिए विधि संघर्षित किशोर को भी पकड़ने में सफलता पाई। दामिनी और निर्भया पथकों की सक्रियता ने नासिक में महिलाओं को नई सुरक्षा दीवार दी है। इनकी नियमित समीक्षा की जा रही है और आने वाले समय में इस अभियान को और प्रभावशाली बनाने की योजना है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर नासिक पुलिस का यह मॉडल पूरे राज्य के लिए मिसाल बनता जा रहा है।

कल्याण पूर्व में अनधिकृत बैनर/होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई!

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण डोंबिवली क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोकने के दृष्टिकोण से अनधिकृत होर्डिंग हटाने के लिए महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार 5/D प्रभाग में अनधिकृत होर्डिंग और बैनरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आयुक्त उमेश यमगर और उनकी टीम ने पिछले तीन दिनों में इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इस कार्रवाई में सड़क के दोनों तरफ, डिवाइडर और सार्वजनिक स्थलों से कुल 27 बैनर/पोस्टर हटाए गए। इसके साथ ही निम्नलिखित होर्डिंग्स पर भी कार्रवाई की गई:संतोष नगर नाला शौचालय के पास – 10×15 के दो होर्डिंग,संतोषनगर कमानी के पास – 15×15 का एक होर्डिंग, तिसगांव नाका पर 20×20 का एक होर्डिंग,ड' प्रभाग क्षेत्र में – 10×10 के दो होर्डिंग,दुर्गा इंपिरियल, कल्याण शीळ रोड – 20×40 का एक होर्डिंग

और अमराई चौक से विजयनगर सड़क पर – 20×20 का एक होर्डिंग। कुल मिलाकर आठ होर्डिंग्स पर कार्रवाई की गई है। महापालिका द्वारा सभी विज्ञापन एजेंसियों, दुकानदारों और व्यापारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अनधिकृत या अवैध रूप से लगे होर्डिंग्स को तुरंत हटा दें और पुराने परमिट का नवीनीकरण भी तात्कालिक रूप से करें।

कोकण से 15,000 श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क पंढरपुर दर्शन की भव्य व्यवस्था

शिवसेना उपनेता निलेश सांबरे का सामाजिक उपक्रम

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

पंढरपुर वारी केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समर्पण का अद्वितीय संगम है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए शिवसेना (शिंदे गुट) के उपनेता और जिजाऊ शैक्षणिक व सामाजिक संस्था के संस्थापक निलेश भगवान सांबरे के नेतृत्व में एक सराहनीय और निःस्वार्थ सामाजिक पहल की गई है। इस उपक्रम के अंतर्गत कोकण क्षेत्र के 15,000 श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क पंढरपुर वारी की व्यवस्था की गई है। रविवार को भिवंडी से 8

बसों सहित अन्य वाहनों में हजारों श्रद्धालु विठोबा रुखमिणी के दर्शन हेतु पंढरपुर रवाना हुए। इस अवसर पर पूर्व विधायक रूपेश दादा म्हात्रे, पंकज पवार, शिक्षक फ़राज़ शेख, भिवंडी लोकसभा संपर्क प्रमुख मोनिका ताई पानवे, संस्था के पदाधिकारी, महिला-पुरुष कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मोनिका ताई पानवे ने जानकारी देते हुए बताया कि पंढरपुर वारी की इच्छा कोकण के हजारों श्रद्धालुओं के दिल में होती है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों, उम्र या स्वास्थ्य समस्याओं के कारण कई लोग इस पुण्य यात्रा में शामिल नहीं हो पाते। ऐसे में जिजाऊ संस्था ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए पूरी तरह निःशुल्क यात्रा, निवास और भोजन की सुविधा प्रदान की है। इस उपक्रम के अंतर्गत 300 से अधिक बसों की व्यवस्था, हर बस में स्वयंसेवक व प्राथमिक उपचार की सुविधा, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए विशेष इंतजाम, श्रद्धालुओं से कोई शुल्क नहीं लिया गया है । यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का एक आदर्श उदाहरण बन गई है। निलेश सांबरे द्वारा किया गया यह सामाजिक प्रयास कोकण और भिवंडी क्षेत्र में श्रद्धा एवं सेवा का प्रतीक बन चुका है।

कांग्रेस अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी

मुंबई। त्रिभाषा नीति पर महाराष्ट्र सरकार के फैसले को वापस लेने के बाद शनिवार को मुंबई में शिवसेना (उद्धव गुट) और मनसे की संयुक्त विजय रैली ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। पहली बार राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ मंच साझा करते दिखे, जिससे दोनों दलों के संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गईं। अब इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस उन्हीं दलों के साथ आगे बढ़ेगी जो उसके सांविधानिक मूल्यों, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की विचारधारा को साझा करते हैं। उन्होंने कहा 2019 में हमने एनसीपी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा और बाद में शिवसेना ने भाजपा से दूरी बनाकर महा विकास अघाड़ी का गठन किया।

धान रोपाई में जुटे ठाणे के सीईओ रोहन घुगे, किसानों को दी आधुनिक खेती की सीख

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिला परिषद ठाणे और कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शहापुर तहसील के अल्याणी और गेगांव गांवों में किसानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोहन घुगे ने स्वयं खेत में उतरकर धान की रोपाई की और किसानों को पट्टा पद्धति एवं मशीन आधारित खेती के फायदे समझाए।

किसानों के साथ संवाद और मार्गदर्शन

इस मौके पर सीईओ रोहन घुगे ने किसानों से सीधे संवाद कर पारंपरिक बनाम आधुनिक खेती की तुलना करते हुए लागत, समय और उत्पादकता में अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने टिकाऊ कृषि की दिशा में मशीनों और वैज्ञानिक विधियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। मौजे अल्याणी में पट्टा पद्धति से धान की बुआई कराई गई। मौजे गेगांव में मशीनों के जरिए धान की रोपाई का प्रदर्शन हुआ। दोनों जगहों पर किसानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और तकनीकी पहलुओं को करीब से समझा। घुगे ने GIPSES योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से वितरित की गई कृषि सामग्री का निरीक्षण किया और संबंधित किसानों को उसका उपयोग सही तरीके से करने का मार्गदर्शन दिया। साथ ही, अरहर की खेती का दायरा बढ़ाने और कृषक उत्पादक कंपनी गठित कर कृषि विपणन को सशक्त बनाने की सलाह दी। सीईओ ने कहा कि इस अभियान में महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका अहम होगी और उन्हें जिला परिषद की ओर से हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में मगरा रोहायो योजना के तहत बांस और आम के पौधे लगाए गए। इस पहल से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधीक्षक रामेश्वर पाचे, कृषि विकास अधिकारी मुनीर बछोटिकर, तहसील कृषि अधिकारी विलास जुजाररावृ, कृषि विस्तार अधिकारी सचिन गंगावने, दिनेश घोलप, ललित बडगुजर, ग्राम पंचायत अधिकारी, सरपंच, उपसरपंच, ग्राम सदस्य और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

धामणकर नाका मित्र मंडळ के सार्वजनिक गणेशोत्सव का भूमिपूजन संपन्न

भिवंडी। भिवंडी में 'एकता का राजा' कहे जाने वाले धामणकर नाका मित्र मंडळ के 37वें सार्वजनिक गणेशोत्सव समारोह का शुभारंभ रविवार को विधिवत रूप से किया गया। मंडल अध्यक्ष संतोष शेट्टी और शशिलता शेट्टी के शुभहस्तों से गणेशोत्सव सजावट कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा शहराध्यक्ष रवि सावंत, शिवसेना जिला प्रमुख सुभाष माने, भाजपा के पूर्व शहराध्यक्ष ॲड. हर्षल पाटील, शिवसेना पश्चिम शहर प्रमुख शाम पाटील, पूर्व शहर प्रमुख संजय काबुकर तथा भिवंडी इस्कॉन मंदिर के श्री सुदाम दास अपने भक्तमंडल के साथ उपस्थित रहे। मंडल के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस वर्ष गणेशोत्सव में मथुरा (उत्तर प्रदेश) स्थित वृंदावन चंद्रोदय इस्कॉन मंदिर की प्रतिकृति के रूप में 150 फीट ऊंचे भव्य देखावे की सजावट की जाएगी। इस देखावे का अनावरण भिवंडी इस्कॉन मंदिर के सुदाम दास के हाथों संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि

37वां वर्ष होने के उपलक्ष्य में मान्यवरों के हस्ते 37 नारियल फोड़कर भूमिपूजन संपन्न किया गया। शासन द्वारा दिए गए पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव के निर्देशों का पालन करते हुए, मंडल द्वारा पिछले कई वर्षों से पर्यावरण-संवेदनशील सजावट की जा रही है। इस बार 10 फीट ऊंची पर्यावरणपूरक मिट्टी की गणेश मूर्ति मंडल द्वारा स्थापित की जाएगी, यह जानकारी मंडल के संस्थापक अध्यक्ष संतोष एम. शेट्टी ने दी। इस आयोजन को सफल बनाने में मंडल के मोहन बल्लेवार, हसमुख पटेल, संजय शाह, दिलीप पोद्दार, राजेश शेट्टी, तारु जाधव, संतोष जंपाल, रमेश पुजारी, अनिल शेट्टी, प्रशांत पुजारी, दीपक झा और ईश्वर पामु ने विशेष मेहनत की।

कोटरगेट रिलीफ फाउंडेशन फ्री नोटबुक वितरण कार्यक्रम

भिवंडी। रविवार को नमाज़-ए-जुहर के बाद कोटरगेट स्थित सुन्नी जामा मस्जिद के स्टडी सेंटर में कोटरगेट रिलीफ फाउंडेशन (KRF) द्वारा यौम-ए-आशूरा की निस्बत से फ्री नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों के बीच इमाम हुसैन रज़ि अल्लाहु अन्हु और शोहदाए कर्बला की याद में 'तुफ़ा-ए-हुसैन' के तौर पर नोटबुक्स, पेन और खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावते कुरआन और नात-ए-पाक से की गई। इस मौके पर मशहूर आलिम-ए-दीन हज़रत मौलाना मुफ़्ती मुबश्शिर रज़ा अज़हर मिस्बाही साहब क़िबला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में कहा, 'हर सामाजिक कार्य असल में एक दीन की सेवा है, क्योंकि जो भी भलाई का काम किया जाए, वह दीन का हिस्सा होता है। और जो भी काम उम्मत के लिए फायदेमंद हो, वह दीन से जुदा नहीं हो सकता।' इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रिंस अली हॉस्पिटल के डॉ. मिराज मोमिन, सिटी हॉस्पिटल के डॉ. तालिश मोमिन,

समदिया हाई स्कूल के शमीम सर, फैयाज सर और डॉ. इमरान रज़ा ने शिरकत की और अपने विचार रखे। इस मौके पर सुन्नी जामा मस्जिद कोटरगेट के मैनेजिंग ट्रस्टी जनाब नसीम रज़ा, हाजी शकील, सलीम भाई और मौलाना कबीरुद्दीन ने भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में कोटरगेट रिलीफ फाउंडेशन के अध्यक्ष जनाब मुजम्मिल शेख के साथ-साथ इस्राईल मोमिन, एजाज़ शेख, अक़दस नाचन, मुबश्शिर मोमिन, रैयान मोमिन, अब्दुस्समद अंसारी, अली मोमिन, मुख़्तार मोमिन और अन्य सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का समापन कोटरगेट मस्जिद के इमाम हज़रत मौलाना ग़ुलाम यज़दानी साहब की दुआ के साथ हुआ।

महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ियों की जांच करेगी कांग्रेस की समिति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में हुई कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति गठित की है। इस समिति की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण करेंगे और यह रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को सौंपेगी। समिति का मकसद चुनावी प्रक्रिया का विश्लेषण कर सुधार के सुझाव देना और गड़बड़ियों की जांच करना है।

इस समिति में पृथ्वीराज चव्हाण के अलावा एआईसीसी सचिव प्रफुल गुड्डे पाटिल, पूर्व मंत्री अशोकराव पाटिल, प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा, विधानसभा उम्मीदवार धनंजय शिरीष चौधरी, परीक्षित वीरेंद्र जगताप, और समन्वयक के रूप में अभय छाजेड शामिल हैं। समिति का मुख्य फोकस मतदाता सूची में फर्जी नामों, निष्क्रिय वोटर्स के नाम पर मतदान और स्याही मिटाकर दोबारा वोटिंग जैसे मामलों पर रहेगा।

कांग्रेस का आरोप है कि महाराष्ट्र विधानसभा

खरगे को सौंपेगी रिपोर्ट

चुनाव 2024 में बीजेपी ने चुनाव आयोग की मिलीभगत से व्यापक गड़बड़ियां कीं। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि कराड दक्षिण सहित कई क्षेत्रों में एक ही व्यक्ति ने दो बार मतदान किया और स्याही हटाकर फर्जी वोट डाले गए। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची की मशीन-रीडेबल कॉपी और मतदान की वीडियो फुटेज मांगी थी, जिसे आयोग ने कानून सम्मत न मानते हुए ठुकरा दिया।

100 नेताओं ने दायर की चुनाव याचिकाएं

कांग्रेस का कहना है कि महा विकास आघाड़ी (MVA) के लगभग 100 नेताओं ने चुनाव याचिकाएं दायर की हैं। चव्हाण के नेतृत्व वाली समिति ने कांग्रेस नेतृत्व से दिल्ली से कानूनी सहायता भेजने की मांग की है। मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग सरकार की कठपुतली बन गया है।

पारदर्शिता के लिए लड़ाई जारी रखेगी कांग्रेस

कांग्रेस ने यह स्पष्ट किया है कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी। पार्टी ने कहा है कि वह इन चुनावी गड़बड़ियों को जनता के सामने लाने के लिए राजनीतिक और कानूनी दोनों मोर्चों पर संघर्ष जारी रखेगी।

उद्धव के विधायक-सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं

गिरीश महाजन के दावे से मचा सियासी तूफान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में मराठी भाषा और त्रिभाषा नीति को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच भाजपा नेता और मंत्री गिरीश महाजन का बड़ा दावा सामने आया है। महाजन ने रविवार को कहा कि उद्धव ठाकरे गुट के कई विधायक और सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि ठाकरे की नेतृत्व क्षमता पर अब खुद उनके लोग ही भरोसा नहीं कर रहे।

ठाकरे भाइयों की एकता पर BJP का वार

यह बयान ऐसे समय आया है जब राज और उद्धव ठाकरे 20 साल बाद एक साथ मंच पर नजर आए। मुंबई में हुई साझा रैली में दोनों ने मराठी भाषा के मुद्दे पर त्रिभाषा नीति का विरोध किया और फडणवीस सरकार पर हमला बोला। सरकार ने विपक्ष के दबाव के बाद विवादित सरकारी आदेश वापस ले लिए थे। इसे ठाकरे बंधुओं ने अपनी जीत बताया।

गिरीश महाजन ने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे बता देंगे कि जनता किस नेता पर भरोसा करती है। जनता बहुत समझदार है, उसे सिर्फ भावनाओं से नहीं बहकाया जा सकता। गिरीश महाजन के इस बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या वाकई उद्धव ठाकरे गुट में कोई टूट की संभावना बन रही है या यह सिर्फ भाजपा की सियासी रणनीति का हिस्सा है।

'उद्धव ठाकरे पर नहीं रहा अपनों को भरोसा'

गिरीश महाजन ने सोलापुर में मीडिया से कहा शिवसेना (यूबीटी) के कई सांसद और विधायक हमारे संपर्क में हैं। जो लोग हमें झूठा मानते हैं, वे जल्द ही सच्चाई देख लेंगे। महाजन ने ठाकरे को 'पलटी बहादुर' बताते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने सिर्फ विरोध करने के लिए विचारधारा बदली है, उनका आचरण पूरी तरह अपरिपक्व है। भाजपा नेता ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने 2019 में मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा में अपने पिता बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्ववादी विचारधारा से समझौता कर लिया। कांग्रेस और राकांपा से गठबंधन कर उन्होंने शिवसेना की आत्मा से समझौता किया। उन्होंने कहा कि आज उन्हीं गलत फैसलों का नतीजा है कि उनके अपने लोग उनसे दूर हो रहे हैं।

'अब आपकी रुदाली शुरू'

फडणवीस के तंज पर संजय राउत का तीखा पलटवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा उद्धव ठाकरे की रैली को 'रुदाली' बताए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने करारा जवाब दिया है। रविवार को मीडिया से बातचीत में राउत ने कहा आप ठाकरे बंधुओं से डर गए हैं, अब आपकी रुदाली शुरू हो चुकी है। पब्लिक सब जानती है। संजय राउत ने कहा कि मुंबई में शनिवार को हुई रैली में लाखों की भीड़ सिर्फ इसलिए आई क्योंकि जनता को पता है कि फडणवीस और शिंदे सरकार कितना झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा मराठी भाषा के मुद्दे पर जनता सड़कों पर उतरी। ये भीड़ बताती है कि कौन जनता के साथ है और कौन सत्ता के लालच में है।

राजनीति मराठी हित के लिए है

फडणवीस के दोनों ठाकरे भाइयों पर लगाए गए राजनीतिक स्वार्थ के आरोप पर राउत ने कहा अगर हम राजनीति कर रहे हैं, तो ये मराठी भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए है। उन्होंने सवाल किया आप (शिंदे-फडणवीस) किस महान विचार के लिए साथ आए थे? सिर्फ सत्ता के लिए! संजय राउत ने कहा कि हम हिंदी भाषा के विरोध में नहीं हैं, लेकिन जबरन थोपी जा रही त्रिभाषा नीति का विरोध ज़रूर करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे राज्य में हिंदी फिल्में, गाने, किताबें, और अखबार चलते हैं। किसी को हिंदी बोलने से नहीं रोका गया है। राउत ने बताया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महाराष्ट्र में त्रिभाषा नीति पर मिली जीत का स्वागत किया है। उन्होंने कहा हमने यह संघर्ष सिर्फ मराठी भाषा के सम्मान के लिए किया है। अब ये लड़ाई पूरे देश में एक नई जागरूकता लाएगी।'

धर्म पूछकर मारे गए पहलगाम में, यहां भाषा के नाम पर हिंसा : आशीष शेलार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठी भाषा के मुद्दे पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की हालिया सभा के बाद बीजेपी नेता और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने रविवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाषा के नाम पर हिंदी भाषियों को पीटा जा रहा है, और इसकी तुलना जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर हिंदू पर्यटकों की हत्या से की। शेलार ने कहा वहां धर्म पूछकर मारा गया, यहां भाषा के नाम पर पीटा जा रहा है... यह चिंता का विषय है।

राज ठाकरे द्वारा दी गई सलाह 'मारो लेकिन वीडियो मत बनाओ' पर आशीष शेलार ने कहा कि यह

अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति जैसी है। उन्होंने कहा कुछ दल अब डर फैलाकर वोट बटोरना चाहते हैं। लेकिन किसी को भी नफरत फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा मराठी भाषा, संस्कृति और लोगों की रक्षा करती रही है और आगे भी करेगी, लेकिन गैर-मराठी लोगों को डराने का कोई अधिकार किसी को नहीं है।

शेलार ने कटाक्ष करते हुए कहा दो भाई एक साथ आए, अच्छा लगा। लेकिन एक का भाषण अधूरा और दूसरे का अप्रासंगिक था। पूरा कार्यक्रम अवास्तविक और मुद्दा-विहीन था। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके पास मजबूत विचार नहीं होते, वे ही समाज में सांप्रदायिक और भाषाई विभाजन फैलाने की कोशिश करते हैं।

त्रिभाषा नीति पर शेलार का जवाब

शेलार ने राज-उद्धव के त्रिभाषा सूत्र का विरोध करने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा देश के 22 राज्यों में 60 फीसदी स्कूल त्रिभाषा नीति अपना चुके हैं। जहां इनके बच्चे पढ़ते थे, वहां मराठी तीसरी भाषा थी, लेकिन तब कोई बोझ महसूस नहीं हुआ। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग 'बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल' में अपने बच्चों को पढ़ाते हैं, उन्होंने कभी उसका नाम 'मुंबई स्कॉटिश' करने की मांग नहीं की। आशीष शेलार के इस तीखे प्रहार ने साफ कर दिया कि भाषा और पहचान के नाम पर राजनीति करने वालों के खिलाफ भाजपा आक्रामक रुख अपनाएगी। उन्होंने मराठी की रक्षा और सभी नागरिकों की सुरक्षा का संतुलन बनाकर चलने की बात कही, साथ ही सांप्रदायिक और भाषाई उन्माद फैलाने वालों को चेतावनी भी दी।

भाषा पर राजनीति ठीक नहीं : संजय गायकवाड़

संभाजी महाराज ने भी 16 भाषाएं सीखी थीं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में हिंदी और मराठी को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज ने 16 भाषाएं सीखी थीं, तो क्या वे मूर्ख थे? उन्होंने भाषा पर राजनीति को ज्ञान के विरोध में खड़ा करना बताया। बुलढाणा से विधायक गायकवाड़ ने कहा कि अगर छत्रपति संभाजी महाराज, ताराबाई और जीजाबाई ने कई भाषाएं सीखी थीं, तो क्या वे भी गलत थे? उन्होंने कहा कि भाषा सीखना समझ और विद्वता का प्रतीक है। जितनी ज़्यादा भाषाएं हम सीख सकें, उतना अच्छा है। अगर आतंकवाद को रोकना है तो उर्दू भी सीखनी चाहिए।

ठाकरे बंधुओं पर राजनीतिक निशाना

त्रिभाषा नीति के विरोध को लेकर शनिवार को राज और उद्धव ठाकरे की मुंबई में एक संयुक्त रैली हुई थी। दोनों नेताओं ने सरकार पर मराठी भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि त्रिभाषा फॉर्मूला पूरी तरह से केंद्र सरकार का है और वे महाराष्ट्र में इसका विरोध करते रहेंगे। गायकवाड़ ने कहा कि भाषा कोई हथियार या खतरा नहीं, बल्कि ज्ञान का माध्यम है। संभाजी महाराज संस्कृत, मराठी, हिंदुस्तानी समेत कई भाषाओं में पारंगत थे। उनकी रचनाएं आज भी शोध का विषय हैं। उन्होंने दोहराया कि भाषा को राजनीतिक हथियार बनाना ठीक नहीं है, यह विषय ज्ञान, संवाद और समझ से जुड़ा होना चाहिए।

'डिजिटल अरेस्ट' से बचाव के लिए मुंबई पुलिस का अलर्ट मोड

फ्रॉड रोकने को 'गोल्डन ऑवर' पर फोकस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड, खासकर 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे घोटालों से लोगों को बचाने के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर (1930) जारी किया है। आयुक्त देवेन भारती के निर्देश पर शुरू किए गए इस अभियान का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि 'गोल्डन

ऑवर' के दौरान त्वरित कार्रवाई कर फ्रॉड ट्रांजैक्शन रोका जा सके।

क्या है 'गोल्डन ऑवर'?

'गोल्डन ऑवर' वह शुरुआती समय है जिसमें फ्रॉड की सूचना मिलते ही बैंकों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पुलिस के बीच तालमेल से ट्रांजैक्शन रोका जा सकता है। मुंबई पुलिस ने इसी अवधि के भीतर कार्रवाई करते हुए अब तक 87.99 करोड़ रुपए की ठगी से बचाव किया है।

हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत कॉल करें

पुलिस कमिश्नर भारती ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति ट्रांजैक्शन के एक घंटे के भीतर 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करता है, तो पैसे वापस मिलने की संभावना बहुत अधिक रहती है। इसके बाद पैसे आमतौर पर एटीएम के जरिए निकाल लिए जाते हैं, और फिर उनका पता नहीं चल पाता।

इन घोटालों की जांच में एक खौफनाक पहलू भी सामने आया है। कुछ मामलों में यह पाया गया है कि भारतीय नागरिकों को नौकरी के नाम पर म्यांमार या कंबोडिया ले जाकर साइबर स्कैम्स में झोंका गया है। उन्हें ज़बरदस्ती इन घोटालों को अंजाम देने पर मजबूर किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 तक 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे स्कैम्स दक्षिण-पूर्व एशिया में बेहद आम हो गए हैं। मुंबई पुलिस की यह पहल न सिर्फ जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि यह 'गोल्डन ऑवर' जैसी समय-संवेदनशील रणनीति के ज़रिए लोगों की जीवन भर की कमाई को सुरक्षित रखने का प्रयास भी है। अगर कोई संदेह हो, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें यही सबसे मजबूत हथियार है डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ।

कैसे होता है 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाला?

इस स्कैम में जालसाज खुद को पुलिस अधिकारी बताकर नकली यूनिफॉर्म और लोगो के साथ लोगों को बताते हैं कि उनके पार्सल में गैरकानूनी सामान मिला है या परिवार का कोई सदस्य अपराध में शामिल है। इसके बाद उन्हें कहा जाता है कि उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' किया गया है और Skype या किसी और वीडियो प्लेटफॉर्म पर निगरानी में रहना होगा। फिर उनसे भारी रकम बतौर जुर्माना वसूली जाती है। मुंबई पुलिस ने इस फ्रॉड को रोकने और आम जनता को जागरूक करने के लिए बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को जोड़ा है। यह अभियान सोशल मीडिया, हाउसिंग सोसाइटी के व्हाट्सएप ग्रुप्स और लोकल नेटवर्क के जरिए चलाया जा रहा है।

'हिंदी-मराठी ने मिलाया दिल'

ठाकरे बंधुओं की एकता पर बोले कुमार विश्वास

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में हिंदी और मराठी भाषा विवाद के बीच राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की एकता पर कवि और पूर्व आप नेता डॉ. कुमार विश्वास ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हिंदी और मराठी जैसी मातृभाषाओं ने दो भाइयों को फिर से एक मंच पर ला दिया, जो राजनीति और विरासत भी नहीं कर पाई। कुमार विश्वास ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा—हिंदी, मराठी व सभी भाषाएं केवल प्यार फैलाती हैं। दो बिछड़े भाइयों के बीच

दोबारा प्यार पैदा कराने के लिए हमारी इन दोनों मातृभाषाओं को सादर नमन। जो सियासत व विरासत न कर सकीं, वो हमारी मां हिंदी और मौसी मराठी ने कर दिखाया।' उन्होंने पोस्ट के अंत में 'जय हिंद-जय हिंदी, जय महाराष्ट्र-जय मराठी' भी लिखा।

क्या है पूरा मामला?

फडणवीस सरकार ने नई शिक्षा नीति (NEP) के तहत कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा के रूप में लागू करने का प्रस्ताव दिया था। इसके तहत छात्रों को मराठी और अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी भी पढ़ाई जानी थी। इस फैसले के खिलाफ राज और उद्धव ठाकरे एक मंच पर आए। विरोध बढ़ता देख सरकार को त्रिभाषा नीति पर लिए फैसले को वापस लेना पड़ा। इसी जीत को लेकर 5 जुलाई को मुंबई में विजय रैली निकाली गई। राज ठाकरे ने रैली में कहा त्रिभाषा फॉर्मूला मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश थी।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि फडणवीस सरकार ने मुझे और उद्धव को साथ ला दिया जो काम बालासाहेब ठाकरे भी नहीं कर पाए थे। वहीं, उद्धव ठाकरे ने कहा हम अब साथ हैं और मिलकर मुंबई महानगरपालिका और महाराष्ट्र की सत्ता को जीतेंगे। इस तरह भाषाई विवाद ने ना केवल महाराष्ट्र की राजनीति को नई दिशा दी, बल्कि दो दशकों से अलग चल रहे ठाकरे भाइयों को फिर से एकजुट कर दिया और कुमार विश्वास की मानें, तो इसका श्रेय भाषाओं के प्रेमभाव को जाता है।

आषाढ़ी वारी महाराष्ट्र की आध्यात्मिक ताकत: अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने देवशयनी आषाढ़ी एकादशी के शुभ अवसर पर राज्य की जनता को बधाई दी है। उन्होंने पंढरपुर वारी को महाराष्ट्र की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ताकत बताते हुए कहा कि यह परंपरा समाज को एकता, समानता और अध्यात्म का संदेश देती है। अजित पवार ने कहा कि आषाढ़ी वारी पंढरपुर के पांडुरंग के प्रति भक्ति, वारकरी की शक्ति, अनुशासन और समता के विचारों की परंपरा है। यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि सदियों से वारकरी परंपरा ने राज्य के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को दिशा दी है।

डिप्टी सीएम ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से राज्यवासियों को आषाढ़ी एकादशी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि आज भी लाखों वारकरी हरिनाम का जाप करते हुए पंढरपुर की ओर चल रहे हैं। वे भक्ति, सेवा और सामाजिक एकता का संदेश दे रहे हैं। यह हमारी आध्यात्मिक ताकत है, जिसे हमें संरक्षित रखना होगा। अजित पवार ने मराठी भाषा और संस्कृति पर जोर देते हुए कहा वारी के रूप में महाराष्ट्र की आध्यात्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमें मराठी भाषा और संस्कृति को भी बचाना है। मराठी की आवाज़ आसमान में गूंजती रहे और महाराष्ट्र की प्रगति का झंडा ऊंचा लहराता रहे, इसके लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा।

किसानों की समृद्धि की कामना

राज्य की खुशहाली की कामना करते हुए अजित पवार ने कहा इस वर्ष अच्छी बारिश, किसानों की भरपूर फसलें, और हर घर में सुख, शांति व समृद्धि बनी रहे यही हम पांडुरंग के चरणों में प्रार्थना करते हैं। अजित पवार ने कहा कि वारी हमें सिखाती है अनुशासन, स्वच्छता, सेवा भावना, आपसी सहयोग और सामाजिक प्रतिबद्धता। वारी ने हमें समर्पण और मानवता का अर्थ सिखाया है। इस ऊर्जा का उपयोग हमें महाराष्ट्र के विकास में करना चाहिए। इस तरह अजित पवार ने आषाढ़ी एकादशी पर भक्ति, संस्कृति और मराठी अस्मिता को एक साथ जोड़ते हुए एक सकारात्मक और प्रेरक संदेश दिया।

CHANGE OF NAME

I MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR HAVE CHANGE MY NAME FROM MOHD SALIM MOHD ABBAS MANIYAR TO MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR AS PER GEZATTE NO (M-2570998) ON DATED 05-11 JUNE 2025

I MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR HAVE CHANGE MY NAME FROM MOHAMMAD SALIM MAHAMAD ABBAS MANIYAR TO MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR AS PER GEZATTE NO (M-2571070)) ON DATED 05-11 JUNE 2025

I MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR HAVE CHANGE MY NAME FROM MOHAMED SALIM MAHAMED ABBAS MANIYAR TO MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR AS PER GEZATTE NO (M-2571063) ON DATED 05-11 JUNE 2025

I MOHAMMAD SALIM MOHAMMAD ABBAS MANIYAR HAVE CHANGE MY SON'S NAME FROM MOHAMMAD FAIJAN MOHAMMAD SALIM MANIYAR TO MOHAMMAD FAIZAN MOHAMMAD SALIM MANIYAR AS PER GEZATTE NO (M-2519820) ON DATED 24-30 APRIL 2025

संपादकीय

जनता को तंग करने वाले फैसले

हाल में राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के इस आदेश ने दिल्ली एवं एनसीआर के लाखों वाहन मालिकों के लिए परेशानी पैदा कर दी कि उम्र पूरी कर चुके अर्थात 10 वर्ष से पुराने डीजल और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह आदेश इसलिए दिया गया, क्योंकि ऐसे वाहनों को चलन से बाहर करने के उसके आदेश पर अमल नहीं किया जा रहा था। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल न देने के फैसले से दिल्ली के कई पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी फैल गई। एक-दो दिन के अंदर ही यह एक राजनीतिक मसला बन गया और ऐसी आवाजें भी उठीं कि उम्र पूरा कर चुके वाहनों को एकाएक ईंधन न देने का फैसला सही नहीं है। खुद दिल्ली सरकार को आगे आना पड़ा और सीएक्यूएम से कहना पड़ा कि वह अपना फैसला वापस ले। प्रदूषण रोधी निकाय सीएक्यूएम के पास पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता के प्रबंधन का अधिकार है। पता नहीं यह निकाय किस आधार पर इस नतीजे पर पहुंच गया कि 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के इंजन ऐसे हो जाते हैं कि उनका उत्सर्जन इतना बढ़ जाता है कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बनता है। इस नतीजे पर पहुंचने के पहले अध्ययन एवं विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया भी गया होगा, लेकिन शायद इसकी अनदेखी कर दी गई कि कई वाहन मालिक अपने वाहनों का कम इस्तेमाल करते हैं। अधिकतर उनका कमर्शियल इस्तेमाल भी नहीं करते। इसके चलते उनके वाहनों के इंजन इतने खराब नहीं होते कि उन्हें प्रदूषण फैलाने का दोषी मान लिया जाए। कुछ लोगों के पास तो ऐसे वाहन हैं, जो 10 साल में 50 हजार किमी भी नहीं चले होते। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार अपनी वाहन नीति में फेरबदल करती रही है, पर उससे वायु प्रदूषण से निपटने में सफलता नहीं मिली। उत्तर भारत और विशेष रूप से राजधानी दिल्ली एवं उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण एक विकट समस्या बना हुआ है। आबादी जैसे-जैसे बढ़ रही है, शहरों में वाहन भी बढ़ रहे हैं और उनके उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण भी। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सर्दियां प्रारंभ होते ही हवा में धूल और धुएं का मिश्रण स्मॉग बना देता है। इसके चलते वायु प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। अब साफ हवा हिमालय से लगे कुछ क्षेत्रों और सुदूर दक्षिण भारत के चंद इलाकों को छोड़कर पूरे देश में खराब ही रहती है। सर्दियों में हवा और खराब एवं कई बार तो जानलेवा हो जाती है। वायु प्रदूषण के मूल कारणों में सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों एवं कल-कारखानों का उत्सर्जन है। इसके अलावा कोयला, लकड़ियां, उपले आदि जलाने से निकलने वाला धुआं भी वायु प्रदूषण का कारण बनता है। सर्दियों के प्रारंभ में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में खेतों में फसलों के अवशेष यानी पराली जलाने का चलन भी वायु प्रदूषण बढ़ाने का काम करता है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिलती है। जब वाहन धीमी गति से चलते हैं तो उनका उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम से बचने के लिए जैसी सड़कें और अन्य आधारभूत ढांचा होना चाहिए, उसका अभाव दिखता है। यह अभाव धीरे-धीरे सारे देश भर में दिखने लगा है। हमारे शहर ट्रैफिक जाम, धूल, धुएं के लिए जाने जाते हैं। जहां सड़कों के किनारे फुटपाथ होते हैं, उनका उपयोग पैदल यात्री छोड़कर अन्य सब करते हैं। कहीं पार्किंग होती है और कहीं छोटी-मोटी दुकान लगी होती हैं। चूंकि अतिक्रमण से ग्रस्त फुटपाथों पर पैदल यात्री नहीं चल पाते, इसलिए वे मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। इससे सड़कों पर वाहनों का चलना और धीमा हो जाता है। इसका नतीजा जाम और वाहनों का उत्सर्जन होता है। इस स्थिति से सब अवगत हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देने से इन्कार किया जा रहा है। वाहनों के खराब इंजन के चलते उनसे निकलने वाले उत्सर्जन को मापने के जो तौर-तरीके प्रचलित हैं और जिसके तहत पेट्रोल पंपों से वाहन चालक सर्टिफिकेट लेते हैं, वे फेल हो चुके हैं।

शख्सियत — महेंद्र सिंह धोनी

भारतीय क्रिकेट के मिस्टर कूल

महेंद्र सिंह धोनी (जन्म 7 जुलाई 1981) एक भारतीय पेशेवर क्रिकेटर हैं, जो दाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं। व्यापक रूप से उन्हें सबसे विपुल विकेटकीपर-बल्लेबाजों, कप्तानों और सबसे महान वनडे बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया और 2007 से 2017 तक सीमित ओवरों तथा टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी की। धोनी ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी की है और वे सबसे सफल भारतीय कप्तान माने जाते हैं। उन्होंने भारत को 2007 आईसीसी विश्व ट्वेंटी20, 2011 क्रिकेट विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताई।

रांची में जन्मे धोनी ने 1999 में बिहार के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने 23 दिसंबर 2004 को बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया और एक साल बाद श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला। 2007 में, वह एकदिवसीय टीम के कप्तान बने और इसके बाद सभी प्रारूपों में नेतृत्व किया। धोनी ने 2014 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, लेकिन 2019 तक सीमित ओवरों के क्रिकेट में खेलना जारी रखा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,266 रन बनाए हैं, जिसमें एकदिवसीय मैचों में 50 से अधिक की औसत से 10,000 से अधिक रन शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में, धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते हैं, और उन्होंने टीम को दस बार फाइनल में पहुँचाया है। सीएसके ने उनकी कप्तानी में 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में खिताब जीते हैं, जिससे वे रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से सबसे सफल कप्तान हैं। उन्होंने 2010 और 2014 में सीएसके को दो चैंपियंस लीग टी20 खिताब भी दिलाए। धोनी आईपीएल में पांच हजार से अधिक रन बनाने वाले कुछ बल्लेबाजों में से हैं, साथ ही ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर भी हैं। 2008 में, धोनी को भारत सरकार द्वारा भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 2009 में चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री और 2018 में तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण प्राप्त हुआ। धोनी भारतीय प्रादेशिक सेना की पैराशूट रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक रखते हैं, जो उन्हें 2011 में प्रदान की गई थी। जून 2025 में, उन्हें ICC क्रिकेट हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया।

धोनी का जन्म 7 जुलाई 1981 को रांची, बिहार (अब झारखंड) में एक हिंदू राजपूत परिवार में पान सिंह और देवकी देवी के घर हुआ था। उनके माता-पिता उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखंड) के ल्वाली गाँव से थे और वे तीन बच्चों में सबसे छोटे थे। उनका परिवार उपनाम को ₹धौनी₹ लिखता है। ₹धोनी₹ वर्तनी उनके स्कूल के प्रमाणपत्रों में वर्तनी की गलती के कारण उभरी और उनके परिवार द्वारा बार-बार प्रयास करने के बावजूद इसे कभी ठीक नहीं किया गया। धोनी ने अपनी स्कूली शिक्षा डीएवी जवाहर विद्या मंदिर से की, जहाँ उन्होंने गोलकीपर के रूप में फुटबॉल खेलना शुरू किया, लेकिन बाद में अपने कोच केशव बनर्जी के सुझाव पर क्रिकेट खेलने लगे। 2001 से 2003 तक, धोनी ने भारतीय रेलवे के दक्षिण पूर्वी रेलवे ज़ोन के तहत खड़गपुर में एक ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक (टीटीई) के रूप में काम किया। उन्होंने 1995 से 1998 तक कमांडो क्रिकेट क्लब और 1998 में सेंट्रल कोल फील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) टीम के लिए विकेटकीपर के रूप में खेला। सीसीएल में, उन्होंने क्रम में ऊपर बल्लेबाजी की और टीम को उच्च डिवीजन में पहुँचाने में मदद की।

जयोस्तुते

भाग-15

डॉ. मोहनराव मधुकरराव भागवत

वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नेतृत्व कर रहे सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत और संघ की राजनीतिक संतान भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों हमउम्र हैं। दोनों का जन्म 1950 में हुआ। दोनों ने प्रखर हिंदुत्व की विचारधारा को आत्मसात किया है, लेकिन साथ ही वे आधुनिक सोच और सुधारवादी दृष्टिकोण रखने वाले नेता हैं। शायद यही कारण है कि उनके आचरण और विचारों में काफी समानता देखने को मिलती है। इन दोनों के विचारों की एकरूपता के कारण ही जब डॉ. मोहनराव भागवत ने संघ का नेतृत्व संभाला, तब भारतीय जनता पार्टी ने भी परिवर्तन का दौर शुरू किया और 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी।

-दो बजे दोपहर

मूल लेख : अवधूत वाघ

(मुंबई के प्रथम आरएसएस संघचालक स्व. दादा राव नाईक की महान विरासत को जारी रखने और युवावस्था में आरएसएस और एबीवीपी से जुड़कर गर्व महसूस करनेवाले सारस्वत बैंक के पूर्व निदेशक अवधूत वाघ महाराष्ट्र भाजपा के राज्य प्रवक्ता हैं। वीजेटीआई से 1981 बैच के इंजीनियरिंग स्नातक और जमनालाल बजाज संस्थान से 1987 बैच के वित्तीय प्रबंधन में परा-स्नातक अवधूत वाघ एक शिक्षाविद् होने के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी हैं। जल संसाधन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करनेवाले चार्टर्ड इंजीनियर वाघ को भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरियों में वीओसी संग्रह और निष्कासन प्रणाली के लिए आयात विकल्प प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने का श्रेय जाता है। मंझे हुए कबड्डी खिलाड़ी और कवि-लेखक अवधूत वाघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सिलसिलेवार ब्लॉग लिखकर भ्रांतियों को ध्वस्त करने और तथ्यों को सरल तरीके से सामने लाने का काम किया है।)

इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी तीन बार प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन दो बार उनकी सरकार अल्पकालिक रही। केवल 1999 की वाजपेयी सरकार ने कार्यकाल पूरा किया, पर वह भी एक गठबंधन सरकार थी, जिसके चलते न्यूनतम साझा कार्यक्रम की सीमाओं से परे जाकर 'संघ की अपेक्षाओं' के अनुरूप निर्णय लेना संभव नहीं हो पाया। यह गठबंधन सरकारों की मजबूरी थी। लेकिन 2014 से 2024 तक की पूर्ण बहुमत वाली सरकार और फिर 2024 में बनी स्थिर गठबंधन सरकार के कारण मोहन भागवत के कार्यकाल में 'संघ की अपेक्षाओं' के अनुसार कई महत्वपूर्ण कानून पारित हुए और कई लंबित मुद्दों का स्थायी समाधान हुआ। इस दृष्टि से वर्तमान सरसंघचालक का कार्यकाल भाग्यशाली माना जा सकता है।

वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का जन्म 11 सितंबर, 1950 को चंद्रपुर में हुआ था। भागवत परिवार में माता-पिता, तीन बेटे और एक बेटी सहित कुल छह सदस्य हैं। भाइयों में मोहनराव सबसे बड़े हैं। उन्हें अत्यंत सौभाग्यशाली कहा जा सकता है, क्योंकि उनके दादा नारायणराव भागवत स्वयंसेवक थे। उनके पिता मधुकरराव भागवत विवाह से पहले कुछ समय तक संघ के गुजरात प्रांत प्रचारक रहे, और माता मालतीबाई राष्ट्र सेविका समिति की स्वयंसेविका थीं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मोहनराव को संघ का संस्कार जन्म के पहले ही गर्भ से मिला था।

मोहनराव ने अपनी स्कूली शिक्षा चंद्रपुर में पूरी की, लेकिन पशु चिकित्सा की पढ़ाई के लिए उन्हें नागपुर जाना पड़ा। पशु चिकित्सक के रूप में स्नातक होने के बाद उन्होंने कुछ समय तक सरकारी नौकरी की, लेकिन बाद में 1975 में उन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और 25 वर्ष की आयु में पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में संघ के कार्य में जुट गए, जो वे आज तक कर रहे हैं।

जैसे ही मोहनराव ने पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में काम करना शुरू किया, उसके कुछ समय बाद ही तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। कई संघ स्वयंसेवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। मोहनराव के माता-पिता को जेल जाना पड़ा। उस समय गिरफ्तारी से बचने के लिए युवा मोहनराव संघ नेताओं के आदेश पर भूमिगत हो गए और आपातकाल की समाप्ति तक कई स्थानों पर गुप्त रूप से अपना संघ कार्य जारी रखा। इस 19 महीने की भूमिगत अवधि के दौरान उन्होंने कई संघ स्वयंसेवकों के परिवारों की सहायता की और उन्हें सहयोग दिया।

मोहनराव ने संघ में शारीरिक शिक्षा प्रमुख, प्रचार प्रमुख और सरकार्यवाह जैसे कई महत्वपूर्ण दायित्व निभाए। उसके बाद 21 मार्च 2009 को उन्होंने सुदर्शनजी से सरसंघचालक का पदभार ग्रहण किया।

भारत की प्राचीन संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों की नींव पर आधुनिक विज्ञान और तकनीक को आत्मसात करने वाले सामाजिक ढांचे के वे प्रबल समर्थक हैं। उनके सरल स्वभाव के कारण वे विरोधियों को भी अपने लगते हैं। सहज, सरल और स्पष्ट भाषा में अपने विचार व्यक्त करना उनकी खासियत है। वे एक प्रभावशाली वक्ता, दूरदर्शी नेता और कुशल संगठनकर्ता हैं। वे अपने सहयोगियों से ऐसे संवाद करते हैं कि सामने वाले को सहज महसूस हो।

मोहनराव भविष्य को ध्यान में रखकर अपनी बात रखते हैं। कई बार मुख्यधारा का मीडिया उनके बयानों की गलत व्याख्या करता है और अनावश्यक विवाद पैदा करता है। लेकिन करीब से देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि उनके विचार वैज्ञानिक रूप से सही, सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण और व्यावहारिक रूप से स्वीकार्य हैं। कई बार तो उनके विचार समय से आगे के होते हैं - जैसा कि एक दूरदर्शी नेता से अपेक्षित होता है।

वे हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हैं। इस संबंध में वे बालासाहेब देवरस द्वारा व्यक्त विचारों को आगे बढ़ाते हैं कि 'जातिगत भेदभाव समाप्त किए बिना हिंदू एकता कठिन है और अस्पृश्यता मानवता पर कलंक है।' इतना ही नहीं, वे आरक्षण के विरोधियों से सामाजिक समरसता बनाए रखने और असमानता को समाप्त करने की अपील करते हुए कहते हैं कि 'जब तक हिंदू धर्म में सामाजिक असमानता है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए।' मीडिया ने आरक्षण पर उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर पेश किया। लेकिन हम सभी को याद रखना चाहिए कि यह वही बात है जो पिछड़े वर्ग से आनेवाले और संविधान के माध्यम से पिछड़े वर्ग और आदिवासी समुदायों को आरक्षण दिलानेवाले संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने कही थी।

उनका यह कथन कि वंश को बचाने के लिए प्रत्येक दंपति को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए, पहले भी कई मानवविज्ञानी कह चुके हैं और इसके ऐतिहासिक आधार भी है। बिना अध्ययन के इसका विरोध करना विरोधियों की अज्ञानता और संकुचित मानसिकता को दर्शाता है।

मोहनराव अखंड हिंदुस्तान के प्रबल समर्थक हैं। उनके विचारों की गहराई तब स्पष्ट हो जाती है, जब वे बिना किसी झिझक के कहते हैं कि 'विभाजन की पीड़ा तभी समाप्त होगी जब अखंड हिंदुस्तान बनेगा' और 'हिंदू धर्म ही सच्चा धर्म है और अन्य धर्म उससे निकले हुए संप्रदाय (पूजा पद्धति) हैं।'

परंपरागत मान्यताओं को झकझोरने वाले मोहनराव तृतीयपंथियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। उन्होंने अपील की है कि 'तृतीयपंथी (ट्रांसजेंडर) लोग इस समाज का हिस्सा हैं और उन्हें अन्य नागरिकों की तरह ही सम्मान दिया जाना चाहिए। वे दुनिया के सामने यह शाश्वत सत्य प्रस्तुत करते हैं कि 'तृतीय पंथी होने में कुछ भी अस्वाभाविक नहीं है। जब तक मनुष्य का अस्तित्व है, जैविक दृष्टि से तृतीयपंथी लोग भी मानव जीवन का अभिन्न अंग हैं।'

मोहनराव एक अच्छे गायक हैं। सुर के साथ संघ के गीत गाना उनका शौक है। संगीत के शौकीन मोहनराव में संगीत के प्रति गजब की प्रतिभा है। वे स्वयं बहुत अच्छी तरह से बांसुरी बजाते हैं। संगीत के प्रति अपने प्रेम के कारण वे घोष पर विशेष ध्यान देते हैं। वे घोष में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न वाद्यों के निर्माण तथा उनमें सुधार पर अधिक ध्यान देते हैं।

मोहनराव को भ्रमण का शौक है। सरसंघचालक होने के नाते उन्हें हर साल कम से कम एक बार हर प्रांत की यात्रा करनी पड़ती है। संघ के बढ़ते प्रभाव के कारण आज पूरी दुनिया में संघ के प्रति जिज्ञासा और आकर्षण है। इस दृष्टि से उन्हें विदेशों की यात्रा भी करनी पड़ती है। इन यात्राओं के दौरान वे हिंदू संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और इतिहास का प्रचार-प्रसार करते हैं और भारत की महानता से विदेशी नागरिकों को परिचित कराते हैं।

हिंदू समाज का नेतृत्व करने वाले, उदारचित्त और आधुनिक विचारों वाले डॉ. मोहनराव भागवत नए युग के एक आधुनिक ऋषि हैं। उनके विचारों पर विश्वास करना हिंदुओं के हित में है। जब तक संघ है और मोहनराव जैसे नेता उसका नेतृत्व कर रहे हैं, तब तक हिंदू सुरक्षित हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि उनके और उनके जैसे संघ नेताओं के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनेगा, भारत न केवल महाशक्ति बनेगा बल्कि पूरे विश्व की आध्यात्मिक राजधानी भी बनेगा।

क्रमशः

अनुसर्जन : श्वेता शालिनी

(श्री हरि के आनंद-अश्रु से उपजी पापनाशिनी सरिता 'मां सरयू' की सेवा में समर्पित अपने परिवार की शुचिता और सेवा की विरासत को बखूबी सहेजनेवाली श्वेता शालिनी महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं। इससे पूर्व सचिव और भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रभारी की जिम्मेदारियों का उल्लेखनीय निर्वाह कर चुकी श्वेता शालिनी इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी हैं। महाराष्ट्र सरकार गठित सेक्शन 8 कंपनी वीएसटीएफ की पूर्व कार्यकारी निदेशक भी रह चुकी हैं। एक प्रखर वक्ता के रूप में विशेष मुकाम रखनेवाली श्वेता शालिनी दर्शनशास्त्र, जीवन-शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे गूढ़ विषयों पर लिखनेवाली एक प्रतिष्ठित स्तंभकार होने के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और विशेषकर ग्रामीणों के उत्थान में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अनुसर्जन का यह उनका पहला प्रयोग है।)

(यह कॉलम हर उस इंसान के लिए है जो संघ को समझना चाहता है, फिर वह समर्थन में हो या विरोध में : संपादक)

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

कर्माबाई द्वारा भगवान जगन्नाथ को खिचड़ी का भोग

कर्मा बाई श्रीकृष्ण की परम भक्त थीं। वह बचपन से ही श्रीकृष्ण के बाल रूप की पूजा करती थीं। ठाकुर जी के बाल रूप से वह रोज ऐसे बातें करतीं जैसे ठाकुर जी उनके पुत्र हों और उनके घर में ही वास करते हों। एक दिन कर्मा बाई की इच्छा हुई कि ठाकुर जी को फल-मेवे की जगह अपने हाथ से कुछ बनाकर खिलाऊँ। उन्होंने जगन्नाथ प्रभु को अपनी इच्छा बतलाई। भगवान तो भक्तों के लिए सर्वथा प्रस्तुत हैं। प्रभु जी बोले, 'माँ, जो भी बनाया हो, वही खिला दो। बहुत भूख लगी है।'

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।

मो. नं. 9425980556

कर्मा बाई ने खिचड़ी बनाई थी। ठाकुर जी को खिचड़ी खाने को दे दी। प्रभु बड़े चाव से खिचड़ी खाने लगे और कर्मा बाई ये सोचकर भगवान को पंखा झलने लगीं कि कहीं गर्म खिचड़ी से मेरे ठाकुर जी का मुँह न जल जाए। संसार को अपने मुख में समाने वाले भगवान को कर्मा बाई एक माता की तरह पंखा कर रही हैं और भगवान भक्त की भावना में भाव-विभोर हो रहे हैं। भक्त वत्सल भगवान ने कहा, 'माँ, मुझे तो खिचड़ी बहुत अच्छी लगी। मेरे लिए आप रोज खिचड़ी ही पकाया करें, मैं तो यही आकर खाऊँगा।'

अब तो कर्मा बाई जी रोज सुबह उठतीं और सबसे पहले खिचड़ी बनातीं। बाकी सब कुछ बाद में करती थीं। भगवान भी सुबह-सवेरे दौड़े आते, आते ही कहते, 'माँ, जल्दी से मेरी प्रिय खिचड़ी लाओ।' प्रतिदिन का यही क्रम बन गया। भगवान सुबह-सुबह आते, भोग लगाते और फिर चले जाते।

एक बार एक महात्मा कर्मा बाई के पास आए। महात्मा ने उन्हें सुबह-सुबह खिचड़ी बनाते देखा तो नाराज़ होकर कहा, 'माता जी, आप यह क्या कर रही हो? सबसे पहले नहा-धोकर पूजा-पाठ करनी चाहिए, लेकिन आपको तो पेट की चिंता सताने लगती है।' कर्मा बाई बोलीं, 'क्या करूँ

महाराज जी? संसार जिस भगवान की पूजा-अर्चना कर रहा होता है, वही सुबह-सुबह भूखे आ जाते हैं। उनके लिए ही तो सब काम छोड़कर पहले खिचड़ी बनाती हूँ।' महात्मा ने सोचा कि शायद कर्मा बाई की बुद्धि फिर गई है। यह तो ऐसे बोल रही है जैसे भगवान इसकी बनाई खिचड़ी के ही भूखे बैठे हुए हों। महात्मा कर्मा बाई को समझाने लगे, 'माता जी, तुम भगवान को अशुद्ध कर रही हो। सुबह स्नान के बाद पहले रसोई की सफाई करो, फिर भगवान के लिए भोग बनाओ।' अगले दिन कर्मा बाई ने ऐसा ही किया। जैसे ही सुबह हुई, भगवान आए और बोले, 'माँ, मैं आ गया हूँ, खिचड़ी लाओ।' कर्मा बाई ने कहा, 'प्रभु, अभी मैं स्नान कर रही हूँ, थोड़ी देर रुको।' थोड़ी देर बाद भगवान ने फिर आवाज़ लगाई, 'जल्दी करो माँ, मेरे मंदिर के पट खुल जाएँगे, मुझे जाना है।' वह फिर बोलीं, 'अभी मैं रसोई की सफाई कर रही हूँ प्रभु।'

भगवान सोचने लगे कि आज माँ को क्या हो गया है, ऐसा तो पहले कभी नहीं हुआ। फिर जब कर्मा बाई ने खिचड़ी परोसी, तब भगवान ने झटपट करके जल्दी-जल्दी खिचड़ी खाई, परंतु आज खिचड़ी में भी रोज़ वाले भाव का स्वाद भगवान को नहीं लगा था।

फिर जल्दी-जल्दी में भगवान बिना पानी पिए ही मंदिर में भागे। भगवान ने बाहर महात्मा को देखा तो समझ गए — अच्छा, तो यह बात है। मेरी माँ को यह पट्टी इसी ने पढ़ाई है। अब जब ठाकुर जी के मंदिर के पुजारी ने मंदिर के पट खोले तो देखा — भगवान के मुख पर खिचड़ी लगी हुई है। पुजारी बोले, 'प्रभु जी, ये खिचड़ी आपके मुख पर कैसे लग गई है?'

भगवान ने कहा, 'पुजारी जी, मैं रोज़ मेरी कर्मा बाई के घर पर खिचड़ी खाकर आता हूँ। आप माँ कर्मा बाई जी के घर जाओ और जो महात्मा वहाँ ठहरे हुए हैं, उनको समझाओ — उन्होंने मेरी माँ को गलत पट्टी पढ़ाई है।' पुजारी ने महात्मा जी से जाकर सारी बात कही कि भगवान भाव के भूखे हैं। यह सुनकर महात्मा जी घबराए और तुरंत कर्मा बाई के पास जाकर कहा, 'माता जी, माफ करो। ये नियम-धर्म तो हम संतों के लिए हैं। आप तो जैसे पहले खिचड़ी बनाती हो, वैसे ही बनाएं। आपके भाव से ही ठाकुर जी खिचड़ी खाते रहेंगे।'

फिर एक दिन आया जब कर्मा बाई के प्राण छूट गए। उस दिन पुजारी ने मंदिर के पट खोले तो देखा — भगवान की आँखों में आँसू हैं और प्रभु रो रहे हैं।

अपने विचार

दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है।

-नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

-वैभव सूर्यवंशी, युवा बल्लेबाज

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

जब सुंदरकांड ने बदल दी एक जीवन की दिशा

भक्ति, विश्वास और विजय की अमर कथा

अगर आप शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करते हैं, तो हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और वह प्रसन्न होते हैं। साथ ही शनिदेव भी आपका बुरा नहीं कर पाएंगे। ऐसे में आज हम आपको सुंदरकांड पाठ के महत्व, इसको करने की सही विधि और मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

रामायण का नाम आते ही मन में भगवान श्रीराम की छवि उभर आती है—मर्यादा पुरुषोत्तम, सत्य और धर्म के प्रतीक। परंतु इस महाग्रंथ में एक अध्याय ऐसा भी है, जिसे पढ़ते ही मानो शक्ति, साहस और भक्ति का सागर उमड़ पड़ता है। वह अध्याय है 'सुंदरकांड'। इसे सिर्फ एक धार्मिक ग्रंथ का भाग कहना इसके महत्व को कम करना होगा। यह तो जीवन में आशा, सकारात्मकता और आत्मबल का अक्षय स्रोत है। यह उस समय की बात है जब लंका में माता सीता रावण की कैद में थीं, और श्रीराम व्याकुल होकर उन्हें खोज रहे थे। सारी दिशाएँ जैसे निराशा से भर चुकी थीं। तब प्रकट होते हैं भगवान के महानतम भक्त—हनुमान। सुंदरकांड की कथा हनुमान जी की उसी वीरता, निष्ठा और विजय की अमर गाथा है। इसे सुंदर इसलिए कहा गया क्योंकि इसमें जो कुछ भी घटित होता है, वह दिव्य है, पवित्र है, और सौंदर्य से परिपूर्ण है—चाहे वह हनुमान जी का समुद्र लांघना हो, लंका में प्रवेश कर राक्षसों का विनाश करना हो, या माता सीता

को श्रीराम का संदेश देना। हर प्रसंग प्रेरणादायक है और पाठक को एक अलग ही ऊर्जा से भर देता है। ऐसा माना जाता है कि सुंदरकांड का पाठ करने से मन में आत्मविश्वास जागता है। जब जीवन में कठिनाइयाँ हों, कार्य बार-बार असफल हो रहे हों, या व्यक्ति मानसिक रूप से टूटा हुआ महसूस करे, तब सुंदरकांड उस बुझती लौ को फिर से प्रज्वलित कर सकता है। यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानसिक चिकित्सा की एक गूढ़ विधा भी है। कई मनोवैज्ञानिक और वैज्ञानिक भी मानते हैं कि इसका नियमित पाठ तनाव को कम करता है, मस्तिष्क को शांत करता है और सकारात्मक विचारों को बढ़ाता है। हनुमान जी को संकटमोचन कहा जाता है, और उनके नाम मात्र से भय दूर भागता है। शनि की साढ़ेसाती हो या ग्रहों का दुष्प्रभाव—सुंदरकांड का पाठ इन सबका समाधान माना गया है। शास्त्रों के अनुसार स्वयं शनिदेव भी हनुमान जी के परम भक्त हैं, और जिन पर हनुमान जी की कृपा हो, उन पर शनि का प्रभाव नगण्य हो जाता है। इसलिए शनिवार को सुंदरकांड का पाठ विशेष फलदायी माना गया है। इसे करते समय भक्त को पवित्र मन से, श्रद्धा और विश्वास के साथ बैठना चाहिए। शांत वातावरण में, हनुमान जी का स्मरण करते हुए जब कोई इस कथा का पाठ करता है, तो मानो हर शब्द एक मंत्र बनकर उसकी आत्मा को शुद्ध करता है।

एक समय था जब एक छात्र, जिसका नाम आरव था, बार-बार असफलताओं से टूट गया था। उसकी परीक्षाएँ ठीक नहीं जा रही थीं, आत्मबल खत्म हो चला था। उसकी माँ ने उसे सुंदरकांड का पाठ करने की सलाह दी। आरव ने पहले इसे एक रस्म के तौर पर लिया, लेकिन जैसे-जैसे उसने प्रतिदिन इसका पाठ करना शुरू किया, उसकी सोच में परिवर्तन आने लगा। न केवल उसकी एकाग्रता बढ़ी, बल्कि भीतर से उसे ऐसा लगा कि जैसे कोई अदृश्य शक्ति उसे संभाल रही है। कुछ ही महीनों में वह फिर से आत्मविश्वास से भर गया और सफलता उसकी प्रतीक्षा करने लगी। ऐसी अनगिनत कहानियाँ हैं, जहां सुंदरकांड ने टूटे हुए जीवन को सहारा दिया है, डगमगाते विश्वास को स्थिर किया है और घरों में फैले कलह को शांति में बदला है। यह पाठ उस ऊर्जा को जागृत करता है, जो व्यक्ति को अंधकार से उजाले की ओर ले जाती है। और यदि इसे घर के सभी सदस्य मिलकर पढ़ें या सुनें, तो घर का वातावरण ही बदल जाता है। नकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है, और घर में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और मानसिक शांति का संचार होता है।

यदि कोई व्यक्ति स्वयं सुंदरकांड का पूरा पाठ करने में असमर्थ है, तो वह इसे सुन भी सकता है। यह भी उतना ही प्रभावी होता है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे करते समय मन में पूरी श्रद्धा हो, और यथासंभव नियमितता हो। यह पाठ जितनी बार किया जाए, हर बार नई ऊर्जा और आशीर्वाद लेकर आता है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सुंदरकांड केवल हनुमान जी की विजय गाथा नहीं, बल्कि वह अदृश्य दीपक है जो हर उस व्यक्ति के जीवन में रोशनी कर सकता है, जो अंधेरे में रास्ता खोज रहा है।

भारत की हसीन वादियों में मानसून का जादू

जब पहली बूंद ज़मीन को छूती है, तो मिट्टी की सोंधी खुशबू दिल में कुछ गहरा गूंज उठाती है। बारिश सिर्फ मौसम नहीं, एक एहसास है – और जब चाय की चुस्कियों के साथ पहाड़ों का साथ मिल जाए, तो हर सफर यादगार बन जाता है। भारत में कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां मानसून का हर पल किसी कविता सा लगता है। ये वो ठिकाने हैं, जहां प्रकृति अपनी सबसे सुंदर पोशाक पहन लेती है और हर कोना एक नई कहानी सुनाने लगता है। मानसून की यात्रा की शुरुआत पूर्वोत्तर भारत के गहनों में से एक, मेघालय से होनी चाहिए। मेघालय — जिसका अर्थ ही होता है 'बादलों का घर' — हरियाली, झरनों और बादलों से लिपटे पहाड़ों का जादुई मिश्रण है। जब नोहकलिकाई जलप्रपात गरजता है, जब डबल डेकर रूट ब्रिज पर बारिश की बूंदें धुन बनाती हैं और एलिफेंट फॉल्स से धुंध निकलती है, तो लगता है मानो आप किसी स्वप्नलोक में आ गए हों। इसके बाद चलें दक्षिण भारत की ओर, जहां कर्नाटक का कुर्ग अपनी पूरी सजावट में आपका स्वागत करता है। वहां की सड़कों पर ताज़ी भीगी मिट्टी और कॉफी के बागानों की मिली-जुली खुशबू जैसे यात्रा की थकान को चुटकियों में दूर कर देती है। अब्बे फॉल्स से गिरते जल की गूंज, राजा की सीट से दिखता अनंत हरियाली का विस्तार और नमड्रोलिंग मठ की शांति – सब मिलकर मन को एक अलौकिक सुकून देते हैं। राजस्थान की रेत में भी जब मानसून

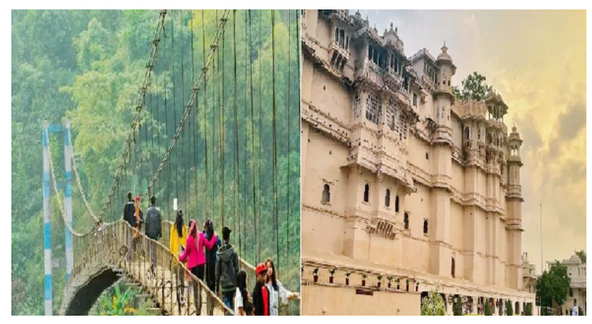

अपनी हल्की दस्तक देता है, तो उदयपुर की झीलें सोने सी चमकने लगती हैं। सिटी पैलेस की छत से पिछोला झील को निहारना हो या मानसून पैलेस से आती ठंडी हवा में खो जाना – यह सब एक राजसी अनुभूति है। यहां की फतेह सागर झील की लहरों में जब बारिश का अक्स पड़ता है, तो लगता है जैसे इतिहास खुद को दोहरा रहा हो। फिर आते हैं मुंबई और पुणे के बीच बसे लोनावला और खंडाला की ओर। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में जब बादल उतरते हैं, जब भुशी डैम से पानी छलकता है, और जब टाइगर पॉइंट से नीले पहाड़ दिखते हैं – तो जीवन कुछ पलों के लिए थम-सा जाता है। कार्ला और भाजा की गुफाओं की दीवारों पर गिरती फुहारें जैसे समय की परतों को फिर से ताज़ा कर देती हैं। अब चलें केरल की ओर, जिसे लोग 'गॉड्स ओन कंट्री' कहते हैं। अलेप्पी की झीलें और बैकवाटर्स मानसून में किसी जादुई दर्पण जैसे लगते हैं। हाउसबोट पर बैठकर जब आप बारिश की रिमझिम के बीच नारियल के पेड़ों की कतारें पार करते हैं, तो लगता है जैसे पूरी प्रकृति आपको बाहों में भर रही हो। कुमारकोम के पक्षी विहार की चहचहाहट और मसालों की भीनी सुगंध, इस अनुभव को और भी खास बना देती है। अगर आप भीड़ से दूर, सुकून की तलाश में हैं, तो तमिलनाडु के वलपारई को मत भूलिए। यह जगह कम प्रसिद्ध जरूर है, लेकिन मानसून में यह अपने सबसे खूबसूरत रूप में होती है। झरनों की आवाज़, चाय के बागानों की हरियाली और इंद्रगांधी वाइल्डलाइफ सेंचुरी की शांत दुनिया – सब कुछ मन को फिर से जिंदा कर देता है। और अंत में बात करें पहाड़ों की रानी – दार्जिलिंग की। जब वहां की पगडंडियों पर कोहरा छा जाता है, जब टॉय ट्रेन पहाड़ियों को चीरती हुई निकलती है, और जब चाय बागानों पर बारिश की बूंदें गिरती हैं – तो हर जोड़ा, हर यात्री, हर कवि – खुद को एक प्रेम-कहानी का हिस्सा महसूस करता है। टाइगर हिल से उगते सूरज को देखना, बाटासिया लूप से गुजरती ट्रेन की सीटी सुनना, ये सब सिर्फ दृश्य नहीं, यादें बन जाती हैं।

जहाँ सीखने की प्यास हो, वहाँ न कोई सीमा होती है, न ही अहंकार

बात उन दिनों की है जब महादेव गोविंद रानाडे एक प्रतिष्ठित और सम्माननीय पद पर आसीन थे। वे हाई कोर्ट के जज थे — ज्ञान, नैतिकता और सेवा के प्रतीक। उनका व्यक्तित्व जितना प्रभावशाली था, उतना ही सरल और विनम्र भी। यद्यपि वे न्यायमूर्ति के पद पर कार्यरत थे, परंतु उनके भीतर एक अनवरत जिज्ञासु छात्र भी सदा जाग्रत रहता था। उन्हें भाषाओं का गहरा शौक था। वे मानते थे कि हर भाषा एक नई संस्कृति, एक नया दृष्टिकोण और एक नई दुनिया के द्वार खोलती है। इसी जिज्ञासा और प्रयास से उन्होंने कई भाषाएं सीख ली थीं — हिंदी, अंग्रेज़ी, मराठी, संस्कृत और उर्दू आदि, परंतु एक भाषा थी जो अब तक उनसे दूर रही — बंगला। बंगला भाषा के प्रति उनका आकर्षण बढ़ता जा रहा था। वे चाहते थे कि इस मधुर भाषा को न केवल पढ़ना, बल्कि बोलना और समझना भी सीखें। परंतु व्यस्त जीवन, औपचारिक शैक्षणिक मार्ग और उम्र का बढ़ता बोझ उनके रास्ते में कहीं न कहीं बाधा बन रहा था। तभी उन्हें एक सरल लेकिन

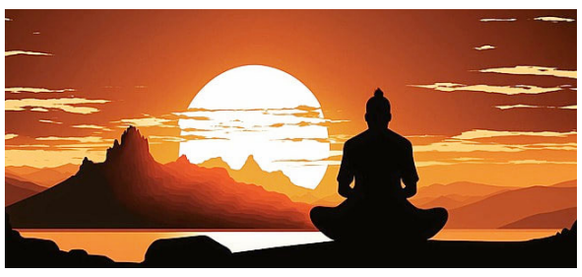

असामान्य उपाय सूझा। उन्होंने नजदीकी मोहल्ले के एक बंगाली नाई से हजामत बनवानी शुरू कर दी। रोज़ जब वह नाई आता, तो महादेव गोविंद रानाडे नाई से बातचीत के माध्यम से बंगला भाषा सीखते। एक आम आदमी के मुख से निकले सरल शब्द, उसकी भाषा की लय, और हर रोज़ की बातचीत ने उन्हें धीरे-धीरे बंगला के करीब ला दिया। हजामत के चंद मिनट उनकी सबसे प्रिय कक्षा बन गए थे। यह सीखने का अनूठा सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा। लेकिन यह सब उनकी पत्नी को थोड़ा अटपटा लगने लगा। एक दिन उन्होंने देखा कि उनके उच्च पदस्थ पति — एक हाई कोर्ट के जज — एक सामान्य नाई से बैठकर भाषा सीख रहे हैं। उन्हें यह सामाजिक दृष्टिकोण से अनुचित लगा। उन्होंने कुछ झुंझलाते हुए कहा, आप इतने बड़े आदमी हैं, हाई कोर्ट के जज हैं। और आप भाषा सीखने के लिए एक नाई से बात कर रहे हैं? कोई देख लेगा तो क्या सोचेगा? अगर आपको बंगला सीखनी ही है, तो किसी योग्य विद्वान से क्यों नहीं सीखते? महादेव गोविंद रानाडे ने मुस्कराकर अपनी पत्नी की ओर देखा, जैसे किसी बच्चे की मासूम शिकायत को स्नेह से सुन रहे हों। फिर बहुत सहजता से बोले, मैं तो केवल ज्ञान का प्यासा हूं। मुझे यह नहीं देखना कि ज्ञान देने वाला कौन है — न उसकी जात, न उसका पेशा। जब तक मेरे भीतर सीखने की आग है, तब तक मैं किसी भी स्रोत से ज्ञान लेने को तैयार हूं। मैं किसी जाति, वर्ग या प्रतिष्ठा से बंधकर ज्ञान नहीं लेना चाहता। मेरे लिए तो वह व्यक्ति शिक्षक है जो मुझे कुछ नया सिखा सकता है — चाहे वह एक नाई ही क्यों न हो। पत्नी यह उत्तर सुनकर निःशब्द रह गईं। उनकी आंखों में अपने पति के प्रति एक नया सम्मान भर आया। उन्होंने महसूस किया कि यह व्यक्ति सिर्फ एक न्यायाधीश नहीं, बल्कि वास्तव में एक ज्ञानी है — और सबसे बड़ा ज्ञानी वही होता है जो स्वयं को हमेशा छात्र मानता है। स दिन के बाद इस विषय पर उन्होंने फिर कभी कोई प्रश्न नहीं किया। बल्कि वे भी यह समझ गईं कि जीवन में यदि कुछ सीखने की सच्ची ललक हो, तो कोई भी व्यक्ति, कोई भी परिस्थिति और कोई भी स्थान ज्ञान देने वाला बन सकता है। यह केवल एक घटना नहीं थी, बल्कि यह उस सोच की झलक थी जो समाज में वास्तविक शिक्षा की परिभाषा तय करती है। जब हम अहंकार, पद और प्रतिष्ठा की दीवारें गिरा देते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में ज्ञान के लिए पात्र बनते हैं। महादेव गोविंद रानाडे की यह कहानी हमें यही सिखाती है कि जहाँ सीखने की सच्ची प्यास हो, वहाँ ज्ञान देने वाला कभी छोटा नहीं होता।

परंपरा में समाया स्टाइलः चुनरी प्रिंट साड़ियों की फिर लौटी रौनक

भारतीय फैशन की दुनिया में कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कभी पुरानी नहीं होतीं — वे बस नए रंग, नए रूप और नए अंदाज़ के साथ वापस आती हैं। ऐसी ही एक कालजयी परंपरा है चुनरी प्रिंट। राजस्थान और गुजरात की संस्कृति से जुड़ी यह पारंपरिक छपाई अब फिर से महिलाओं की अलमारी में अपनी ख़ास जगह बना रही है। समय भले ही बदल गया हो, परंतु चुनरी प्रिंट का आकर्षण आज भी उतना ही ताज़ा और मोहक है जितना वर्षों पहले था।

चुनरी प्रिंट साड़ी सिर्फ एक वस्त्र नहीं, बल्कि भावनाओं और रंगों का मेल है। जब कोई महिला इस साड़ी को पहनती है, तो वह केवल एक परिधान नहीं, बल्कि अपने भीतर की संस्कृति, परंपरा और स्त्रीत्व को प्रकट करती है। खासतौर पर त्योहारों, व्रतों और पारिवारिक आयोजनों में जब चारों ओर सजावट, मिठास और भक्ति का माहौल होता है, तब चुनरी साड़ी का रंग-बिरंगा सौंदर्य उसमें चार चांद लगा देता है। चुनरी साड़ियों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे जितनी पारंपरिक हैं, उतनी ही स्टाइलिश भी। मॉडर्न फैशन सेंस के साथ इन्हें इस तरह से स्टाइल किया जा सकता है कि पहनने वाली महिला

परंपरा के साथ-साथ ट्रेंड में भी बनी रहे। गहरे रंगों के साथ हल्के फैब्रिक वाली चुनरी साड़ियाँ हर उम्र की महिलाओं को फबती हैं। यदि आप सिल्क, जॉर्जेट या शिफॉन में हल्की-फुल्की चुनरी प्रिंट साड़ी पहनती हैं, और उसे गोटा वर्क से सजाया गया हो, तो उसका प्रभाव और भी अधिक आकर्षक हो जाता है। इन दिनों बाजार में इस प्रिंट की बहार है। हर फैब्रिक में आपको चुनरी प्रिंट की दर्जनों वैरायटी मिल जाएंगी। शिफॉन की हल्की साड़ी हो या रिच लुक वाली सिल्क चुनरी, हर महिला की पसंद अलग होती है और बाजार उस पसंद को समझता भी है। खास बात यह है कि यह साड़ियां सिर्फ विवाहित महिलाओं के लिए ही नहीं हैं, बल्कि युवा और कुंवारी लड़कियों के लिए भी यह एक फैशनेबल विकल्प बन चुकी हैं। अब पारंपरिक 'घरचोला' शैली की भारी चुनरी साड़ी को नए जमाने की लड़कियों के लिए हल्के फेब्रिक और कम वर्क में भी डिज़ाइन किया जा रहा है, जिससे वह त्योहारों में फैशनेबल और कंफर्टेबल दोनों बनी रहें। चुनरी प्रिंट की बात करें और 'बंधेज' की चर्चा न हो, ऐसा कैसे हो सकता है? बंधेज और चुनरी का रिश्ता उतना ही गहरा है जितना रंगों का जीवन से। सिल्क और सिल्क-जॉर्जेट में मिलने वाली बंधेज वाली चुनरी साड़ियां विशेष अवसरों पर पहनने के लिए आदर्श हैं। इन पर किया गया महीन जरी वर्क और क्रश्ड टेक्सचर किसी भी महिला को रॉयल लुक दे सकता है। ज़ाहिर है, इनकी कीमत साधारण से थोड़ी अधिक होती है, लेकिन जब बात किसी शादी, तीज, करवा चौथ या दिवाली की हो, तो हर महिला चाहती है कि वह सबसे सुंदर दिखे — और तब ऐसी चुनरी साड़ी सही चुनाव बन जाती है। आजकल कॉटन फैब्रिक में भी चुनरी प्रिंट के साथ

नए प्रयोग किए जा रहे हैं। अजरक प्रिंट और गोटा वर्क को मिलाकर तैयार की गई कॉटन चुनरी साड़ियां छोटे मोटे पारिवारिक समारोहों, पूजा-पाठ या दैनिक पहनावे में भी सहजता से शामिल की जा सकती हैं। अगर कोई महिला इन साड़ियों को ब्लैक बस्टर, क्रॉप टॉप या टैंक स्टाइल ब्लाउज के साथ कैरी करे, तो उसे एक बोल्ड और स्टाइलिश लुक भी मिल सकता है। ग्लास ज्वेलरी, टेराकोटा नेकपीस या वुडन एसेसरीज़ इस पूरे लुक को खूबसूरती से संतुलित करती हैं।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

वृष धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कर्क भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी।

कन्या यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें।

कुंभ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

जन्मकुंडली और दैवी साधनाः ग्रहों के अनुसार उपासना विधि

जन्म कुंडली द्वारा लग्न पंचम, नवम स्थान में जिन ग्रहों का प्रभाव हो उन ग्रहों के बल अनुसार साधक को उन देवताओं की साधना करना चाहिए-

1. सूर्य- विष्णु, शिव, दुर्गा, ज्वालादेवी, ज्वालामालिनी, गायत्री, आदित्य, स्वर्णाकर्षण, भैरव की उपासना करें।
2. सूर्य शनि, सूर्य राहु- महाकाली, तारा, शरभराज, नीलकंठ, यम, उग्रभैरव, कालभैरव, श्मशान भैरव की पूजा करें।
3. सूर्य बुध, सूर्य मंगल- गायत्री, सरस्वती, दुर्गा उपासना।
4. सूर्य शुक्र- वासुदेव, मातङ्गी, तारा, कुबेर, भैरवी, श्रीविद्या की उपासना करें।
5. सूर्य केतु- छिन्नमस्ता, आशुतोष शिव, अघोर शिव।
6. सूर्य शनि राहु- पशुपतास्त्र तंत्र, मंत्र मरणादि षट्कर्म से व्यक्ति अधिकतर पीड़ित होगा। रक्षा के लिए काली, तारा, प्रत्यंगिरा, जातवेद दुर्गा की उपासना करें।
7. सूर्य, गुरु, राहु- बगलामुखी, बगलाचामुंडा, उच्छिष्ट गणपति, वीरभद्र। केवल बगलामुखी उपासना से सिद्धि मिले, परंतु या तो सिद्धि दूसरों के लिए नष्ट होगी या देवी नाराज होकर वापस ले लेंगी।

प्रियंका जैन
9769994439

8. चन्द्रमा- लक्ष्मी, श्रीविद्या षोडशी, यक्षिणी, वशीकरणादि प्रयोग शिव, कामेश्वर उपासना शुभ रहे।
9. चन्द्र, मंगल- हनुमान उच्छिष्ट चांडालिनी, मातंगी, शबरी, नरसिंह, वनदुर्गा, भैरवी उपासना शुभ रहे।
10. चन्द्र, बुध- बगला, कर्णपिशाची, उच्छिष्ट चांडालिनी नरसिंह, सरस्वती, वैष्णवी, वाराही, हयग्रीव, दुर्गा उपासना शुभ रहे।
11. चन्द्र, गुरु- बगलामुखी, भुवनेश्वरी, लक्ष्मी पितृ, कुबेर, ब्राह्म, शिव, कृष्ण, राम, दत्तात्रेय, अजपाजप, सोह साधना करें।
12. चन्द्र, शुक्र- कृष्ण, लक्ष्मी, त्रिपुरसुंदरी, भुवनेश्वरी, शाकंभरी, यक्षिणी, वामन, दत्तात्रेतांत्रिक उपासनाएं।
13. चन्द्र शनि, दुर्गा तंत्र- मंत्र सिद्धि, यक्षिणी, पिशाची, भैरव, काली, तारा, उपासना करें।
14. चन्द्र राहु- भैरवी, काली, छिन्नमस्ता, धूमावती, वाराही, उग्रचंडा, गणेश, विघ्नेश, हयग्रीव, शिव मृत्युञ्जय उपासना करें
15. चन्द्र, केतु- हनुमान, स्वामी कार्तिकेय, छिन्नमस्ता, भैरव, उच्छिष्ट गणेश, वासुदेव, विष्णु, गजेन्द्र मोक्ष स्तोत्र का पाठ करें।
16. मंगल- हनुमान, भैरव, वीरभद्र, स्वामी कार्तिकेय, दुर्गा उपासना करें।

न्यूज़ ब्रीफ

खड़े ट्रक से टकराया अनियंत्रित आटो, चालक समेत दो की मौत व तीन घायल

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र में मलाक बलऊ गांव के समीप रविवार को एक ऑटो अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि ऑटो सवार तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि हादसे में प्रतापगढ़ जनपद के हथिगवां थाना क्षेत्र के परानूपुर गांव निवासी जावित्री (60 वर्ष) पत्नी गिरजा शंकर और ऑटो चालक इसहाक अहमद (30 वर्ष) निवासी दानियलपुर नवाबगंज की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में मृतका की बहू कामिनी, नाती अनुज और वैभव घायल हो गए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि जावित्री अपने प्रतापगढ़ स्थित आवास से अपनी बहू कामिनी, नाती अनुज एवं वैभव के साथ दारागंज स्थित अपने घर आने के लिए ऑटो में सवार होकर घर आ रही थी। रास्ते में नवाबगंज थाना क्षेत्र मलाक बलऊ गांव के समीप यह हादसा हो गया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोग भी बदहवास हालत में अस्पताल पहुंच गए।

फर्जी NSG कमांडो इटली की पिस्टल और वायरलेस सेट के साथ गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आलमबाग बस अड्डे पर एक युवक को खुद को NSG कमांडो बताकर बिना टिकट बस में सफर करते हुए गिरफ्तार किया गया है। यात्रियों को उसकी गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उसकी तलाशी और पहचान की जांच की, तो कमांडो होने का दावा फर्जी निकला। पूछताछ में युवक की पहचान रंजन कुमार, निवासी सुजान गांव, कुशीनगर के रूप में हुई। उसके मोबाइल फोन से कमांडो वर्दी में खींची गई तस्वीरें मिलीं। उसके पास से एक Made in Italy ऑटोमैटिक पिस्टल और वायरलेस हैंडसेट भी बरामद हुआ, जो मामले को और गंभीर बना देता है। रंजन ने पूछताछ में माना कि उसने फर्जी कमांडो बनने की गलती की और पुलिस से माफी मांगी। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि उसके पास हथियार और हैंडसेट कहां से आए और उनका इस्तेमाल वह किस मकसद से करने वाला था। पुलिस ने रंजन कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और शस्त्र अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह अकेले काम कर रहा था या किसी गैंग का हिस्सा है। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और आम लोगों की सतर्कता दोनों को एक बार फिर रेखांकित किया है। पुलिस अब इस दिशा में भी जांच कर रही है कि आरोपी युवक कहीं किसी बड़ी साजिश का हिस्सा तो नहीं था।

बिहार वोटर लिस्ट विवाद पर चुनाव आयोग की सफाई

एजेंसी । पटना

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision - SIR) को लेकर मचे विवाद के बीच चुनाव आयोग (EC) ने रविवार को स्पष्ट किया कि वोटर लिस्ट अपडेट की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया 24 जून 2025 के आदेश के अनुसार जमीन स्तर पर सुचारू रूप से लागू की जा रही है। चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि इस अपडेशन का उद्देश्य अपात्र नामों को हटाना और योग्य मतदाताओं को सूची में बनाए रखना है। मतदाताओं को 25 जुलाई 2025 तक अपने दस्तावेज जमा कराने होंगे। हालांकि जो लोग इस तिथि तक दस्तावेज नहीं दे पाएंगे, उन्हें दावे और आपत्तियों की अवधि में मौका दिया जाएगा।

CEO कार्यालय की पुष्टि: SIR प्रक्रिया 24 जून के निर्देश के अनुसार ही

बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (CEO) कार्यालय ने रविवार को पुष्टि की कि SIR प्रक्रिया चुनाव आयोग के 24 जून के निर्देशों के अनुसार ही चल रही है। 1 अगस्त 2025 को जो ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की जाएगी, उसमें फॉर्म भरने वाले मतदाताओं के नाम शामिल होंगे। साथ ही वर्तमान मतदाताओं को दस्तावेज देने के लिए अतिरिक्त समय भी मिलेगा। चुनाव आयोग के अनुसार, शहरीकरण, पलायन, नई उम्र के मतदाताओं की एंट्री, मृत्यु की सूचना न मिलना और अवैध प्रवासियों के नाम शामिल होने जैसी वजहों से मतदाता सूची का संशोधन जरूरी है।

विज्ञापन से फैले भ्रम पर चुनाव आयोग ने दी सफाई

चुनाव आयोग की यह सफाई तब आई जब सोशल मीडिया पर एक अखबार में छपे विज्ञापन को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई। उस विज्ञापन में लिखा था—'अब केवल फॉर्म भरना है, दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है।' इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने X (ट्विटर) पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि यह बीजेपी-आरएसएस की साज़िश है जो दलितों और वंचितों से वोटिंग अधिकार छीनना चाहती है।

विपक्ष ने जताई चिंता, पूछा- सिर्फ बिहार में ही क्यों?

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विज्ञापन को EC की अयोग्यता और शासक दल को फायदा पहुंचाने का प्रयास बताया। तेजस्वी यादव ने भी सवाल उठाया कि 2003 में जब पूरे देश में एकसाथ मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था, तो इस बार सिर्फ बिहार में ही क्यों? विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर पटना और नई दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात कर अपनी चिंताएं साझा की हैं। वहीं बीजेपी और एनडीए ने इस प्रक्रिया का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष अपनी हार का बहाना ढूंढ रहा है।

बांदा में लूट गैंग का पर्दाफाश, एनकाउंटर में गैंग लीडर घायल, 7 बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी । बांदा

बांदा पुलिस ने त्योहारों से पहले बस और ऑटो में लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एनकाउंटर के बाद गैंग के 7 बदमाश गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि सरगना मोहसिन मुठभेड़ में घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़े गए सभी आरोपी पश्चिमी यूपी के बागपत, हापुड़ और मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, त्योहारों को देखते हुए पुलिस जिलेभर में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान इनपुट मिला कि कुछ संदिग्ध बस में सवार होकर लूट की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने जब उन्हें घेरने की कोशिश की तो गैंग ने फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में मोहसिन घायल हो गया और बाकी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गहनों से भरा बैग, नकदी और अवैध हथियार बरामद

गिरफ्तार लुटेरों के पास से 150 ग्राम सोना, 600 ग्राम चांदी, 21,000 नकद और दो अवैध तमंचे बरामद किए गए हैं। पूछताछ में पता चला कि ये लोग खास तौर पर महिलाओं को निशाना बनाते थे, उनके बैग की चेन काटकर गहने और पैसे निकाल लेते थे और चोरी का माल कार्टन में छिपाकर बेच देते थे। एएसपी शिवराज ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ बांदा और अन्य जिलों में कई केस पहले से दर्ज हैं। गैंग के गिरफ्तार सदस्य हैं :मोहसिन (गैंग लीडर),हारून,इमरान खान,नूरुद्दीन,फारुख (सभी बागपत निवासी),इस्लामुद्दीन (मुजफ्फरनगर निवासी) और मनोज (हापुड़ निवासी)। सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई को देखते हुए एसपी ने टीम को इनाम देने की घोषणा की है। इस ऑपरेशन से यह संदेश साफ है कि बांदा में अब लुटेरों और गैंगस्टरों के लिए कोई जगह नहीं है।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल, मोहर्रम के जुलूस पर हिंदुओं ने बरसाए फूल

मुसलमान बोले- कांवड़ पर करेंगे स्वागत

एजेंसी । बरेली

थाना बारादरी क्षेत्र की मौर्य वाली गली, जहां पिछले तीन वर्षों से हिंदू-मुस्लिम तनाव का केंद्र रही थी, इस बार मोहर्रम का जुलूस शांति और भाईचारे के माहौल में निकला। जोगी नवादा से निकला ताजिए का जुलूस जब इस संवेदनशील इलाके से गुजरा, तो हिंदू समुदाय के लोगों ने मुस्लिम भाइयों पर फूलों की वर्षा की, मालाएं पहनाईं और गले मिलकर सद्भाव का संदेश दिया। दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने सार्वजनिक रूप से कहा कि अब विवाद और मनमुटाव पीछे छूट गए हैं। मुस्लिम समुदाय ने यह भी वादा किया कि जब कांवड़ यात्रा निकलेगी, तो वे भी स्वागत में फूल बरसाएंगे।

अब नूरी मस्जिद से भी निकलेगी कांवड़ यात्रा

मुस्लिम समुदाय ने न सिर्फ ताजिए के जुलूस को शांतिपूर्वक निकाला बल्कि भरोसा जताया कि अब कांवड़ यात्रा भी बिना विवाद के नूरी मस्जिद के सामने से निकलेगी। उन्होंने कहा कि जब हिंदू समुदाय ने उनके पर्व पर खुले दिल से स्वागत किया, तो अब वही प्रेम और सम्मान वे भी कांवड़ यात्रा पर दिखाएंगे। इस बार बरेली ने एक नई मिसाल पेश की है, जहां पहले तनाव की वजह से कर्फ्यू जैसे हालात बनते थे, वहां अब गंगा-जमुनी तहजीब की तस्वीर दिखाई दी। प्रशासन ने इसे समुदायों की समझदारी और संवाद की जीत बताया है। SP सिटी मानुष पारीक ने कहा कि हमारी योजना सिर्फ सुरक्षा नहीं थी, बल्कि संवाद से समाधान निकालना था। यह उदाहरण भविष्य के त्योहारों के लिए भी रास्ता दिखाता है। हिंदू और मुस्लिम समुदायों के लोगों को गले मिलते और एक-दूसरे पर फूल बरसाते देखना यह दिखाता है कि सच्चे मन से किया गया संवाद हर विवाद को खत्म कर सकता है।

18 बैठकों के बाद बना आपसी समझौता

बीते वर्षों के तनाव को देखते हुए इस बार प्रशासन ने पहले से ही विशेष रणनीति बनाई थी। SP सिटी मानुष पारीक और CO सिटी पंकज श्रीवास्तव ने 18 बैठकों के दौर में दोनों पक्षों को एक मंच पर लाकर आपसी समझौते की नींव रखी। जुलूस के दौरान RAF और भारी पुलिस बल तैनात रहा। मकानों की छतों पर सुरक्षाबल मौजूद थे और पूरे इलाके की निगरानी ड्रोन कैमरों से की गई। अधिकारी खुद पैदल मार्च करते हुए पूरे मार्ग पर नजर बनाए रहे। CO सिटी पंकज श्रीवास्तव ने बताया, 'हमने दोनों समुदायों को कई बार साथ बैठाकर संवाद कराया। जो पहले

गाजीपुर हादसा: दो भाइयों की मौत के बाद फरार कार बरामद

एजेंसी । गाजीपुर

दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के खुटहा गांव के पास करीब 10 दिन पहले एक दर्दनाक हादसे में बाइक सवार दो सगे भाइयों मनीष और आलोक चौहान की मौत हो गई थी। दोनों मऊ जिले के अलदेमऊ गांव के निवासी थे और अपने घर लौट रहे थे, तभी एक तेज़ रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार सवार मौके से फरार हो गया था।

कार के नंबर से मिला सुराग

हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने देखा कि वह सफेद रंग की कार थी, लेकिन उसका पूरा नंबर किसी को स्पष्ट रूप से याद नहीं था। कुछ लोगों ने अनुमानित नंबर नोट किया यूपी 61 8416। लेकिन सीरीज की जानकारी अधूरी होने के कारण पुलिस को छानबीन में मुश्किलें आ रही थीं।

टूटी हुई कार से खुली पोल

जैसे ही पुलिस बिरनो गांव में बताए गए पते पर पहुंची, वहां खड़ी सफेद रंग की बलेनो कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त पाया गया। कार मालिक ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब क्षतिग्रस्त हिस्से पर सवाल किया गया, तो उसने हादसे की बात कबूल कर ली। थानाध्यक्ष पी. सिंह ने बताया कि कार को दुल्लहपुर थाने लाया गया है और मुकदमे में अब अज्ञात से ज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी की दिशा में आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरटीओ, सीसीटीवी और स्थानीय लोगों की मदद से हमने आखिरकार उस कार और आरोपी तक पहुंच बना ली है। अब न्यायिक प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। गाजीपुर में हुए इस हादसे ने जहां दो परिवारों को हमेशा के लिए ग़म में डुबो दिया, वहीं पुलिस की सूझबूझ और तकनीकी मदद से आरोपी की पहचान और वाहन की बरामदगी मुमकिन हो सकी। अब देखना होगा कि न्याय की दिशा में कार्रवाई कितनी तेज़ी से आगे बढ़ती है।

सीसीटीवी और RTO से मिली मदद

दुल्लहपुर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरटीओ विभाग से संपर्क किया और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इसके साथ ही ग्रामीणों से बातचीत के ज़रिए जानकारी जुटाई गई। इस दौरान पुलिस को सही गाड़ी नंबर यूपी 61 बीडी 8416 का पता चला, जिससे कार मालिक तक पहुंचने में मदद मिली।

व्यापार जगत

ट्रंप का नया टैरिफ प्लान 1 अगस्त से लागू

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक व्यापार जगत में भूकंप ला दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि 1 अगस्त 2025 से करीब 100 देशों से आयात होने वाले उत्पादों पर 10% का नया टैरिफ लागू किया जाएगा। इसकी पुष्टि अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने की है। यह फैसला अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी में दशकों बाद सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। भारत भी इस नई नीति के दायरे में आ सकता है।

भारत पर क्या होगा असर?

भारत के लिए यह स्थिति काफी गंभीर बन सकती है। वर्तमान में भारत को अमेरिका में 26% टैरिफ छूट मिली हुई है, जो 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। यदि तब तक कोई नया ट्रेड एग्रीमेंट नहीं होता, तो 1 अगस्त से भारत को 10% अतिरिक्त टैरिफ झेलना पड़ सकता है। हाल के हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता तेज हुई है। भारतीय अधिकारी वाशिंगटन का दौरा भी कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया है।

वार्ता में क्या है विवाद?

अमेरिका की मांग: भारत GMO कृषि उत्पादों और डेयरी आयात के लिए अपने बाजार को खोले। भारत की मांग: कपड़ा, चमड़ा और रत्न-आभूषण जैसे लेबर-इंटेंसिव सेक्टर्स को ड्यूटी फ्री एक्सेस मिले। इसके अलावा अमेरिका ने यह भी साफ किया है कि स्टील टैरिफ में किसी को छूट नहीं दी जाएगी। अगर नया टैरिफ लागू हुआ तो भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे, जिससे मांग में गिरावट आ सकती है। भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात का बड़ा हिस्सा कपड़ा, चमड़ा, रत्न व आभूषण सेक्टर से आता है। ये उद्योग सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। अब भारत सरकार के पास 9 जुलाई तक का समय है। अगर उस समय तक कोई अंतरिम समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय निर्यातक 1 अगस्त से नुकसान झेलना शुरू कर सकते हैं। ट्रंप की नई नीति भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को जल्द से जल्द संतुलन साधते हुए समझौता करना होगा। लेकिन साथ ही, कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी नीति और आत्मनिर्भरता की रक्षा भी करनी होगी। आने वाले कुछ हफ्ते भारत-अमेरिका व्यापार रिश्तों के लिए निर्णायक साबित होंगे।

क्या है यह नया टैरिफ प्लान?

1 अगस्त से अमेरिका उन सभी देशों से आने वाले सामान पर 10% पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, जिनके साथ अमेरिका का ट्रेड बैलेंस असंतुलित है। स्कॉट बेसेंट ने ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में कहा 100 देशों पर 10% टैरिफ से शुरुआत होगी और फिर बातचीत के हिसाब से आगे का रास्ता तय किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने 12 देशों के नामों के साथ टैरिफ से संबंधित पत्रों पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। इन देशों में भारत, जापान और यूरोपीय संघ के कुछ सदस्य बताए जा रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से किसी का नाम लेने से इनकार किया है। ये पत्र सोमवार को औपचारिक रूप से भेजे जाएंगे। अमेरिका का उद्देश्य है कि अमेरिकी निर्यात को बढ़ावा दिया जाए और ट्रेड शर्तों को अपने पक्ष में मोड़ा जाए। यह टैरिफ नीति दुनिया के करीब आधे देशों को प्रभावित करेगी, जिससे इसे आक्रामक व्यापार नीति करार दिया जा रहा है।

विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए चाहिए 10% GDP ग्रोथ: राजीव मेमानी

एजेंसी । नई दिल्ली

कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा है कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को हर साल औसतन 10% मूल्यानुसार GDP ग्रोथ की जरूरत होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि वर्तमान बाजार मूल्यों पर आधारित है, जिसमें महंगाई का समायोजन नहीं किया गया होता, यानी यह रियल GDP नहीं बल्कि नॉमिनल ग्रोथ है।

भारत को चाहिए तेज रफ्तार विकास

राजीव मेमानी ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है जब देश हर साल लगातार 10% GDP ग्रोथ हासिल करे। उन्होंने यह बात एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कही। CII के नए अध्यक्ष ने बताया कि मौजूदा हालात भारत के लिए अनुकूल हैं लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सुनियोजित नीतियों, निवेश और वैश्विक सहयोग की जरूरत होगी। CII अध्यक्ष ने भरोसा जताया कि जल्द ही भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता फाइनल हो जाएगा। यह समझौता भारतीय कंपनियों, खासकर श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए अमेरिका जैसे बड़े बाजार तक पहुंच के नए रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा, 'इससे अनिश्चितता खत्म होगी और दोनों देशों के कारोबारी संबंधों को स्पष्ट दिशा मिलेगी।'

तकनीक और साझेदारी को मिलेगा बढ़ावा

राजीव मेमानी का मानना है कि यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि यह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, संयुक्त उद्यमों और दीर्घकालिक निवेश साझेदारी के द्वार भी खोलेगा। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उद्योग जगत को भविष्य को लेकर साफ विज़न मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। CII का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था 6.4% से 6.7% के बीच की दर से बढ़ सकती है। हालांकि, CII ने चेतावनी दी है कि भूराजनैतिक तनाव जैसे कारकों के चलते जोखिम बना हुआ है। इसके बावजूद भारत की आर्थिक नींव मजबूत मानी जा रही है।

हर मोर्चे पर मजबूत दिख रहा भारत

CII अध्यक्ष ने कहा भारत की आर्थिक स्थिति स्थिर और मजबूत है। चाहे वो भारतीय रिजर्व बैंक हो, बैंकिंग सेक्टर, या कॉरपोरेट सेक्टर – हर जगह स्थिरता और मजबूती दिख रही है। RBI ने भी 2025-26 के लिए GDP ग्रोथ का अनुमान 6.5% पर बरकरार रखा है और भारत को स्थिरता और अवसरों वाला देश बताया है। CII अध्यक्ष का यह बयान स्पष्ट संकेत देता है कि 2047 तक विकसित भारत बनने की राह में 10% GDP ग्रोथ एक अहम शर्त है। इसके लिए भारत को घरेलू नीतियों के साथ-साथ वैश्विक साझेदारियों को भी मजबूत करना होगा। अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौता इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

बिना गारंटी 50,000 का लोन और 30,000 का UPI क्रेडिट कार्ड, जानें शर्तें

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) अब छोटे कारोबारियों के लिए आर्थिक आज़ादी का नया जरिया बन चुकी है। इस स्कीम के तहत अब पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को बिना किसी गारंटी के 50,000 तक का लोन और 30,000 की लिमिट वाला UPI लिंक्ड क्रेडिट कार्ड भी मिल सकता है। हालांकि, इसके लिए कुछ शर्तें तय की गई हैं।

कैसे मिलता है बिना गारंटी लोन

PM SVANidhi योजना की शुरुआत कोरोना काल में हुई थी, लेकिन अब इसे और भी प्रभावी बना दिया गया है। इस योजना के तहत पहले चरण में वेंडर्स को 10,000 का वर्किंग कैपिटल लोन मिलता है। अगर ये लोन समय पर चुका दिया जाए, तो दूसरा लोन 20,000 और तीसरा लोन 50,000 तक का मिल सकता है और वो भी बिना किसी गारंटी के। लोन की अवधि एक वर्ष की होती है और समय पर भुगतान करने वाले लाभार्थियों को 7% ब्याज सब्सिडी भी दी जाती है। साथ ही, डिजिटल लेनदेन करने वालों को 1,200 तक का कैशबैक भी मिल सकता है। 2025 के बजट में केंद्र सरकार ने इस योजना को एक और बड़ा विस्तार देते हुए UPI लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की घोषणा की। इस कार्ड की लिमिट 30,000 होगी, लेकिन ये सुविधा केवल उन्हीं स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगी जिन्होंने तीनों चरणों का लोन (10,000 + 20,000 + 50,000) समय पर चुकाया है। इसके अलावा, वेंडर्स की क्रेडिट रेटिंग भी देखी जाएगी, जिससे यह तय होगा कि वे क्रेडिट कार्ड के लिए उपयुक्त हैं या नहीं। सरकार का मानना है कि यह कदम वेंडर्स को डिजिटल और आधुनिक कारोबार संस्कृति से जोड़ने में मदद करेगा।इस योजना के तहत वेंडर्स की पहचान और आवेदन प्रक्रिया की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों (ULBs) को दी गई है।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने 1,000 करोड़ रुपए के एनसीडी इश्यू की घोषणा की

नई दिल्ली।अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने रविवार को 1,000 करोड़ रुपए के गैर परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) इश्यू की घोषणा की, जिसमें सालाना 9.30 प्रतिशत तक की प्रतिफल की पेशकश की गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह निर्गम नौ जुलाई बुधवार को खुलेगा और 22 जुलाई को बंद होगा। यह सालाना 9.30 प्रतिशत तक का प्रभावी प्रतिफल प्रदान करता है। यह अदाणी एंटरप्राइजेज का सुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) का दूसरा सार्वजनिक निर्गम है। अदाणी समूह के समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने कहा एईएल द्वारा एनसीडी का दूसरा सार्वजनिक इश्यू, समावेशी पूंजी बाजार विकास और दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे के विकास में खुदरा भागीदारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। यह नया निर्गम एईएल की पहली एनसीडी पेशकश के लिए बाजार की मजबूत प्रतिक्रिया के बाद आया है, जिसमें छह महीने के भीतर रेटिंग उन्नत करने के बाद ऋण निवेशकों के लिए पूंजीगत मूल्यवृद्धि देखी गई। पिछले साल सितंबर में पेश 800 करोड़ रुपए के एईएल के पहले एनसीडी को पहले ही दिन पूरी तरह अभिदान मिल गया था। एईएल एकमात्र कॉरपोरेट (एनबीएफसी के बाहर) है जो खुदरा निवेशकों के लिए सूचीबद्ध ऋण उत्पाद पेश करती है।

शुभमन गिल बनाम विराट कोहली

139 पारियों में आंकड़ों की टक्कर, किसका पलड़ा भारी?

एजेंसी । एजबेस्टन

भारतीय क्रिकेट के चमकते सितारे शुभमन गिल इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरे से पहले ही उन्हें भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी और उन्होंने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। उनके खेल में जो निखार आया है, उसने एक बार फिर उन्हें विराट कोहली से तुलना के केंद्र में ला खड़ा किया है। खास बात यह है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में 139 पारियों के बाद शुभमन गिल और विराट कोहली के आंकड़े लगभग समान नज़र आते हैं।

गिल थोड़ा आगे

विराट कोहली को क्रिकेट की दुनिया में 'किंग कोहली' कहा जाता है और इसके पीछे उनकी मेहनत, जुनून और निरंतरता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआती 139 अंतरराष्ट्रीय पारियों में कुल 5610 रन बनाए थे, औसत 45.98 रही और 17 शतक उनके नाम थे। वहीं, शुभमन गिल ने इतने ही मैचों में विराट से बेहतर आंकड़े दर्ज किए हैं। उन्होंने 5831 रन बनाए हैं, औसत 47.02 है और 17 शतक उनके नाम हैं। यानी शतकों की संख्या तो बराबर है, लेकिन रन और औसत के मामले में गिल थोड़ा आगे निकलते दिख रहे हैं।

अनुभव बनाम उभरती प्रतिभा

विराट कोहली का करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में टीम इंडिया को संभाला, और कई यादगार पारियां खेलीं। उनकी फिटनेस, आक्रामकता और कप्तानी ने भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी। शुभमन गिल हालांकि अभी युवा हैं, लेकिन तकनीकी रूप से सशक्त और मानसिक रूप से बेहद मजबूत नजर आते हैं। उनकी निरंतरता और शांत स्वभाव उन्हें लंबे समय तक टिकने वाला खिलाड़ी बनाते हैं। इन दोनों के बीच तुलना यह दिखाती है कि गिल में वो सारे गुण मौजूद हैं, जो विराट की विरासत को आगे बढ़ा सकते हैं। लेकिन बड़े मुकाबलों और दबाव वाली परिस्थितियों में विराट के अनुभव का कोई मुकाबला नहीं।

इंग्लैंड में चमका शुभमन गिल का बल्ला

इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल ने टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। शुरुआती 2 टेस्ट मैचों में 585 रन,औसतः 146.25.,1 दोहरा शतक और 2 शतक। इस सीरीज में किसी भी बल्लेबाज़ ने 400 रन भी नहीं बनाए, जबकि गिल अकेले विपक्ष पर हावी नजर आए। इस प्रदर्शन ने न सिर्फ उन्हें चर्चा में ला खड़ा किया है, बल्कि भविष्य के 'लंबी रेस के घोड़े' के रूप में भी स्थापित कर दिया है। गिल के शुरुआती आंकड़े विराट कोहली से बेहतर हो सकते हैं, लेकिन 'किंग' बनने के लिए केवल रन नहीं, सालों की निरंतरता, संघर्ष और दबाव में मैच जिताने वाला मिजाज भी चाहिए।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

दीपिका का नीदरलैंड के खिलाफ किया गया गोल मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र के दौरान दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ किए गए मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए। विजेता का फैसला विश्व भर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया जाएगा। मतदान करने की अंतिम तिथि भारतीय समयानुसार 14 जुलाई सुबह तीन बजकर 29 मिनट है। इस पुरस्कार के लिए कुल तीन गोल को नामांकित किया गया है।

गोल फरवरी 2025 में किया था

दीपिका ने यह गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में यह अविश्वसनीय गोल किया। उन्होंने नीदरलैंड की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए बायीं ओर से शानदार तरीके से ड्रिबल किया, बेसलाइन को छुआ और एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से गेंद को आगे निकालकर गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। दीपिका ने कहा, 'नीदरलैंड के खिलाफ़ किया गया वह गोल मेरे करियर के सबसे खास पलों में से एक है। सब कुछ ठीक रहा और इससे हमें बराबरी करने और शूटआउट में मैच जीतने में मदद मिली। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित होने पर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं और अपने प्रशंसकों के समर्थन के लिए आभारी हूं। ऐसे पलों के लिए ही हम कड़ा अभ्यास करते हैं।'दीपिका को इस पुरस्कार के लिए स्पेन की पैट्रिशिया अल्वारेज़ के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किए गए गोल तथा ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के इंग्लैंड के खिलाफ सामूहिक प्रयास से किए गए गोल की चुनौती का सामना करना होगा।

वनिंदु हसरंगा ने 1000 रन और 100 विकेट का रिकॉर्ड अपने नाम किया

एजेंसी । कोलंबो

श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर वनिंदु हसरंगा ने वनडे क्रिकेट में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों में सबसे कम मैचों में 1000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज शॉन पोलॉक का रिकॉर्ड तोड़ते हुए यह उपलब्धि सिर्फ 65 वनडे मैचों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड शॉन पोलॉक के नाम था, जिन्होंने 68 मैचों में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए थे। वनिंदु हसरंगा ने यह कमाल बांग्लादेश के खिलाफ कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मैच में कर दिखाया।

बांग्लादेश ने 16 रन से जीता दूसरा वनडे

भले ही वनिंदु हसरंगा ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन श्रीलंका को 16 रन से हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.5 ओवर में 248 रन बनाए। परवेज हुसैन इमोन ने 69 गेंदों पर 67 रन और तौहीद हृदॉय ने 69 गेंदों पर 51 रन बनाए। श्रीलंका के लिए हसरंगा के अलावा असिथा फर्नांडो ने 9 ओवर में 35 रन देकर 4 विकेट झटके।

श्रीलंका की लड़खड़ाती पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 48.5 ओवर में 232 रन पर सिमट गई। कुसल मेंडिस ने 56 रन,जेनिथ लियानागे ने 78 रन की जुझारू पारी खेली। बांग्लादेश की ओर से गेंदबाज तनवीर इस्लाम ने सिर्फ अपने दूसरे वनडे में शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट चटकाए। तनजीम हसन साकिब ने भी 2 विकेट लिए। वनिंदु हसरंगा का व्यक्तिगत रिकॉर्ड श्रीलंका क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है, लेकिन टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। अगले मैच में श्रीलंका की नजरें वापसी पर होंगी, जबकि बांग्लादेश आत्मविश्वास के साथ सीरीज पर कब्जा जमाने उतरेगा।

जोकोविच की 100वीं विंबलडन जीत

बेटी तारा के डांस ने लूटी महफिल

तारा जोकोविच का 'विक्ट्री डांस' वायरल

इस जीत के बाद जोकोविच की नन्हीं बेटी तारा जोकोविच कोर्टसाइड डांस करती नजर आईं। जैसे ही नोवाक मैच के बाद दर्शकों को संबोधित कर रहे थे, तारा ने प्यारा सा डांस शुरू कर दिया। जोकोविच अपनी बेटी की मासूम हरकत देखकर मुस्कुरा उठे, और वहां मौजूद दर्शकों ने भी इस पल का खूब आनंद उठाया। सोशल मीडिया पर तारा का यह 'विक्ट्री डांस' तेजी से वायरल हो गया है।

एजेंसी । लंदन

विंबलडन 2025 में नोवाक जोकोविच ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने टूर्नामेंट के तीसरे दौर में सर्बिया के ही खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर विंबलडन में 100वीं जीत दर्ज की। इसके साथ ही जोकोविच विंबलडन के इतिहास में 100 मुकाबले जीतने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर ही इस आंकड़े तक पहुंच सके हैं। बेटी के डांस पर प्रतिक्रिया देते हुए जोकोविच ने कहा वो डांसिंग मास्टर है। यह हमारी एक छोटी सी परंपरा बन गई है। उम्मीद करता हूं कि हम विंबलडन में ऐसे ही और भी जश्न मना सकें।उन्होंने अपनी जीत को लेकर कहा कि विंबलडन उनका पसंदीदा टूर्नामेंट है और वहां इतिहास बनाना उनके लिए गर्व की बात है। 38 वर्षीय जोकोविच का यह 20वां विंबलडन टूर्नामेंट है और अब वह चौथे दौर में विश्व रैंकिंग में 11वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनाउर से भिड़ेंगे। केकमानोविच के खिलाफ जोकोविच ने पहले सेट में 3-3 से स्कोर बराबर रहने के बाद लगातार 9 गेम जीतकर मैच पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया।

भारत एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा

एजेंसी । बेंगलुरु

भारत ने वैश्विक खेल आयोजन में एक और बड़ी छलांग लगाने की तैयारी कर ली है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) ने घोषणा की है कि वह इस साल के अंत में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2029 और 2031 की मेजबानी के लिए औपचारिक बोली लगाएगा। AFI के प्रवक्ता और विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने रविवार को बताया कि भारत इन दोनों संस्करणों के लिए रणनीतिक बोली लगाएगा, ताकि कम से कम किसी एक सत्र की मेजबानी हासिल की जा सके। विश्व एथलेटिक्स सितंबर 2026 में 2029 और 2031 दोनों सत्रों की मेजबानी की घोषणा करेगा। रुचि जताने की अंतिम तिथिः 1 अक्टूबर 2025 ।प्रारंभिक आवेदन की अंतिम तिथिः 1 अप्रैल 2026,अंतिम बोली जमा करने की समयसीमाः 5 अगस्त 2026। सुमारिवाला ने कहा हमने पहले केवल 2029 की मेजबानी की योजना बनाई थी, लेकिन अब रणनीतिक रूप से 2031 की दावेदारी भी करेंगे। हमें जो भी वर्ष मिले, हम तैयार रहेंगे। सुमारिवाला ने यह भी बताया कि चूंकि 2025 और 2027 की विश्व चैंपियनशिप एशिया (टोक्यो और बीजिंग) में आयोजित होने जा रही है।

बॉलीवुड

'धुरंधर' का पहला लुक आया सामने

5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक

रणवीर सिंह के जन्मदिन के खास मौके पर जिओ स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज ने 2025 की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'धुरंधर' का जबरदस्त फर्स्ट लुक रिलीज़ कर दिया है। इस मेगा प्रोजेक्ट का निर्देशन 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम निर्देशक आदित्य धर ने किया है, जो पहले ही अपनी विजन और ट्रीटमेंट के लिए सराहे जा चुके हैं। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे, जो इस थ्रिलर को और भी ग्रिपिंग और मेगा स्केल का बना देते हैं। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में भव्य रूप से रिलीज़ होगी। 2 मिनट 40 सेकंड का यह फर्स्ट लुक रॉ, इंटेंस और हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर है। इसमें सस्पेंस, दमदार डायलॉग्स और तगड़ा एक्शन दिख रहा है। इसका म्यूजिक शाश्वत ने दिया है जिसके सिंगर जैस्मिन सैंडलस हैं और खास बात यह है कि इसमें न्यू-एज आर्टिस्ट हनुमनकाइंड का भी कोलैब है, जिनकी अलग और हटकर स्टाइल इस गाने को नया फ्लेवर देती है। जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और बी62 स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी 'धुरंधर' एक पावरफुल और दिल झकझोर देने वाली कहानी है, जिसे आदित्य धर ने लिखा है।

अभिनेता राजा गुरु की फिल्म 'आराध्य' का दमदार ट्रेलर रिलीज

अभिनेता राजा गुरु की नई हिंदी फिल्म 'आराध्य' का हाल ही में रिलीज किया गया ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर गंभीर टोन, दमदार डायलॉग्स और राजा गुरु की प्रभावशाली परफॉर्मेंस की वजह से दर्शकों का ध्यान खींचने में पूरी तरह सफल रहा है। 3 मिनट 2 सेकंड लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक प्रभावशाली संस्कृत श्लोक से होती है, जिसके तुरंत बाद राजा गुरु की साउथ स्टाइल में जोरदार एंट्री दिखाई देती है। ट्रेलर के शुरुआती फ्रेम से ही उत्सुकता जगती है और जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, राजा गुरु के किरदार के कई शेड्स सामने आते हैं, गंभीरता, क्रोध, भावुकता और शक्ति।

नेशनल डिफेंस एकेडमी में अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर की बतौर निर्देशक पहली फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' ने अपने विशेष प्रदर्शन से नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) में इतिहास रच दिया। 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही इस फिल्म की स्क्रीनिंग एनडीए खड़कवासला में की गई, जहां दर्शकों की तालियों की गूंज और स्टैंडिंग ओवेशन ने माहौल को भावुक और ऐतिहासिक बना दिया। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, मेरे 40 साल के करियर में यह सबसे यादगार पल था। उन्होंने बताया कि एनडीए के हबीबुल्लाह ऑडिटोरियम में जब फिल्म खत्म हुई, तो कैडेट्स ने खड़े होकर तालियां बजाईं। यह नज़ारा उनके लिए किसी ब्लॉकबस्टर क्षण से कम नहीं था। फिल्म के अंत में एनडीए कमांडेंट वाइस एडमिरल गुरुचरण सिंह ने कैडेट्स से कहा कि वे फिल्म पर अपने भाव स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

शेफाली की याद में छलका पराग त्यागी का दर्द

'कांटा लगा' गाने से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली जरीवाला के अचानक निधन ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया है। 42 वर्ष की उम्र में, 27 जून को कार्डिएक अरेस्ट के चलते उनका निधन हो गया। अब उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी ने अपनी दिवंगत पत्नी को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। पराग ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेफाली के साथ बिताए कुछ अनमोल और खूबसूरत पलों का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनकी निजी जिंदगी की झलकियां नजर आती हैं। पराग ने इंस्टाग्राम पर शेफाली के साथ बिताए पलों की एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'मैं तुम्हें हर जन्म में खोज लूंगा और तुम्हें खूब प्यार करूंगा। मैं तुमसे हमेशा प्यार करता रहूंगा। मेरी गुंडी, मेरी छोकरी।' इस पोस्ट के साथ पराग ने शेफाली को टैग करते हुए एक लाल दिल का इमोजी भी जोड़ा, जो उनके गहरे प्रेम और टूटे दिल की झलक देता है। 27 जून की रात शेफाली को अचानक सीने में तेज़ दर्द की शिकायत हुई। उनके पति पराग उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तन्वी की भूमिका और फिल्म की थीम

फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' एक ऐसी लड़की तन्वी की कहानी है जो ऑटिज़्म डिसऑर्डर से ग्रस्त है, लेकिन उसका सपना है भारतीय सेना में शामिल होना। इस किरदार को निभाया है शुभांगी दत्त ने, जो अपनी अभिनय क्षमता से दर्शकों का दिल जीत रही हैं। फिल्म में जैकी श्रॉफ, करण टैकर, और बोमन ईरानी जैसे अनुभवी कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अनुपम खेर ने अपने पोस्ट में लिखा मुझे नहीं पता इस फिल्म का भविष्य क्या होगा, लेकिन एनडीए की रात मेरे लिए एक सुनहरा वर्तमान था। उन्होंने इस पल को अपने करियर का सबसे भावनात्मक और प्रेरक क्षण बताया। 'तन्वी द ग्रेट' सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक संवेदनशील, प्रेरणादायक और साहसिक कहानी है।

'मेट्रो इन दिनों' ने दिखाया बॉक्स ऑफिस पर दम

बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों के बीच रिलीज़ हुई अनुराग बसु निर्देशित 'मेट्रो इन दिनों' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी अलग पहचान बना ली है। जहां एक ओर आमिर खान की 'सितारे ज़मीन पर' अपने तीसरे हफ्ते में भी दर्शकों को थिएटर तक खींच रही है, वहीं ब्रैड पिट की 'F1: द मूवी' सिनेमैटोग्राफी और थ्रिल के दम पर सुर्खियों में बनी हुई है। इन दोनों फिल्मों के बीच 'मेट्रो इन दिनों' ने रिलेटेबल कहानी और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ के बल पर दमदार प्रदर्शन किया है। फिल्म ने शुक्रवार को 3.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। हालांकि, शनिवार को फिल्म के कलेक्शन में काफी बढ़ोतरी दर्ज की गई। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, 'मेट्रो इन दिनों' ने शनिवार को 6 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इस तरह फिल्म का दो दिन का कुल कलेक्शन 9.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जहां शुक्रवार को थिएटर्स में फिल्म की ऑक्यूपेंसी 17.99% रही थी, वहीं शनिवार को यह बढ़कर 32.20% तक पहुंच गई। कड़े कॉम्पिटीशन के बावजूद फिल्म ने शानदार ग्रोथ दिखाई है। अब दर्शकों की नजरें रविवार के कलेक्शन और पहले वीकेंड की टोटल कमाई पर टिकी हैं। ब्रैड पिट की हॉलीवुड फिल्म 'F1' ने भी शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर 5.75 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया। वहीं, तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी आमिर खान की 'सितारे ज़मीन पर' ने शनिवार को 5.54 करोड़ रुपये की कमाई की। हालांकि, फिल्म का क्रेज अभी भी बरकरार है और यह अब तक का अच्छा कलेक्शन बनाए हुए है।

नितिन गडकरी की चेतावनी ने बढ़ाई चिंता

'विश्व युद्ध की कगार पर दुनिया'

एजेंसी । नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्षों ने दुनिया को विश्व युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है।

नागपुर में आयोजित 'बियॉन्ड बॉर्डर्स' पुस्तक विमोचन समारोह में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुश रवैये के कारण दुनिया में समन्वय, प्रेम और सद्भाव खत्म हो रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ गया है। गडकरी ने भारत की सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि यह देश सत्य, अहिंसा और शांति का प्रतीक है, और आज समय है कि भारत दुनिया को इन मूल्यों की याद दिलाए।

उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक परिस्थितियों की समीक्षा कर, नीति निर्धारण में आगे बढ़कर भूमिका निभानी चाहिए।

'युद्ध की तकनीक ने बढ़ाया खतरा'

गडकरी ने चेतावनी दी कि आज की युद्ध तकनीक ने मानवता की रक्षा को पहले से कहीं ज़्यादा कठिन बना दिया है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक हथियारों की जगह अब मिसाइल, ड्रोन और आधुनिक घातक तकनीक ने ले ली है। सैन्य टैंक और पारंपरिक विमानों की जगह आधुनिक मिसाइलें अब सीधे नागरिक इलाकों को निशाना बना रही हैं, जिससे नुकसान का दायरा और गंभीरता दोनों बढ़ गए हैं।

'धीरे-धीरे दुनिया विनाश की ओर बढ़ रही है'

कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा कि वैश्विक शक्तियों की मनमानी और वर्चस्व की होड़ से यह साफ है कि हम धीरे-धीरे विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर यही स्थिति रही तो कोई भी समय विश्व युद्ध का कारण बन सकता है।

'अब जरूरी है वैश्विक संवाद और चेतना'

गडकरी ने कहा कि इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए जरूरी है कि दुनिया के देश आपसी संवाद, सहयोग और शांति को प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी कहा कि आज मानवता को बचाने के लिए भारत जैसे देशों को आगे आकर वैश्विक शांति की दिशा में निर्णायक भूमिका निभानी होगी। कुल मिलाकर गडकरी का यह बयान वैश्विक हालात की गंभीरता को दर्शाता है और भारत के नेतृत्व में शांति की पहल की आवश्यकता पर बल देता है।

IGI एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुआ 750 करोड़ की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड

चीनी गिरोह से थी मिलीभगत

एजेंसी । नई दिल्ली

उत्तराखंड एसटीएफ ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट अभिषेक अग्रवाल को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI एयरपोर्ट) से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 750 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि अभिषेक ने चीनी नागरिकों के साथ मिलकर यह ठगी सुनियोजित ढंग से की, जिसके लिए उसने 35 से 40 शेल कंपनियां बनाई थीं। इनमें से 13 कंपनियां उसके नाम और 28 पत्नी के

नकली लोन ऐप्स से की करोड़ों की ठगी

एसटीएफ के मुताबिक, 2019-20 में अभिषेक और उसके साथियों ने चीनी नागरिकों के साथ मिलकर Inst Loan, KK Cash, RupeeGo, Lendkar जैसे कई फर्जी लोन ऐप्स लॉन्च किए थे। इन ऐप्स के ज़रिए आम लोगों को त्वरित लोन का लालच देकर ऐप डाउनलोड कराया जाता था। ऐप इंस्टॉल करने के बाद यूज़र के मोबाइल का पूरा एक्सेस ले लिया जाता था, जिसमें उनकी गैलरी, कॉन्टैक्ट्स और अन्य निजी डेटा शामिल होता था।

ब्लैकमेलिंग कर वसूली, अश्लीलता से डराया

गिरोह पीड़ितों को ब्लैकमेल करने के लिए उनकी मॉर्फ की गई अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देता था। इस डर से लोग बार-बार पैसे भेजते थे। ये रकम विभिन्न शेल कंपनियों और संदिग्ध बैंक खातों के ज़रिए विदेशी खातों में ट्रांसफर की जाती थी। अब तक सामने आए लेन-देन में चीनी बैंक खातों की बड़ी भूमिका पाई गई है।

पहले से गिरफ्तार आरोपी से कनेक्शन

इस केस में पहले ही गिरफ्तार हो चुके अंकुर ढींगरा से भी अभिषेक अग्रवाल का संपर्क था। एसटीएफ ने इस गिरोह से जुड़े पांच चीनी मास्टरमाइंडों के नाम भी उजागर किए हैं—Difan Wang, Zhenbo He, Miao Zhang, Yongguang Kuang और Wenxue Li। इनपर इंटरपोल और भारत सरकार के जरिए कार्रवाई की तैयारी हो रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

अयोध्या : राम मंदिर में होगा ध्वजारोहण समारोह

अयोध्या। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा। ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे।

इंदौर पर जल्द मेहरबान होगा मानसून, चक्रवात बना रोड़ा

इंदौर में जुलाई माह में आरंभ से ही अच्छी बारिश होती है, पर इस बार एक हफ्ता बीतने के बाद भी नगर में अच्छी वर्षा का इंतजार है। अभी तक नगर में जून और जुलाई में 145.1 मिमी बारिश दर्ज हुई है। जुलाई की औसत वर्षा 310.1 मिमी है। 1 जुलाई से रविवार सुबह तक नगर में मात्र 10.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि सिस्टम तो बन रहा है, लेकिन चक्रवात इसमें रोड़ा बना हुआ है। जुलाई की बारिश ही गर्मी की तपन से राहत देती है, माह में आरंभ से तेज बारिश नहीं होने से उमस और गर्मी से इंदौरवासी परेशान हैं। बीते दिन नगर का औसत अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब पांच डिग्री कम था। हिंदू पंचांग के अनुसार जुलाई माह का आगमन आषाढ़ में हुआ है और 11 जुलाई से सावन माह लग जाएगा। पूरे जुलाई माह में सावन रहेगा। आषाढ़ महीना गर्मी और बारिश के बीच सेतु का काम करता है। वर्षा काल में जुलाई और अगस्त माह में ही अधिक वर्षा होती है।

नेटग्रिड ने बढ़ाएगा पुलिस की ताकत

नई दिल्ली। नेटग्रिड ने सभी राज्य पुलिस बलों से आग्रह किया है कि वे इसके साथ अपनी सहभागिता बढ़ाएं और अपराध नियंत्रण व अपराधों की जांच के लिए इसके डाटाबेस का सक्रिय रूप से उपयोग करें। नेटग्रिड खुफिया सेवाओं और जांच एजेंसियों के लिए रियल-टाइम जानकारी साझा करता है। राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड (नेटग्रिड) सीधे गृह मंत्रालय के नियंत्रण में है। यह 11 केंद्रीय एजेंसियों और सभी राज्य पुलिस बलों के साथ आतंकवादी गतिविधियों, संगठित अपराधियों, वित्तीय लेनदेन, आव्रजन, नकली मुद्रा और मादक पदार्थों की जानकारी सहित अन्य रियल-टाइम इनपुट साझा करता है। नेटग्रिड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीयूष गोयल ने सभी राज्यों के पुलिस प्रमुखों को लिखे पत्र में कहा कि वे अपने-अपने बलों में नेटग्रिड के उपयोग को बढ़ाएं, सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाएं और उन्हें नेटग्रिड समाधा का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

हिमाचल में दो हादसों में 5 की मौत

मासूम बच्ची खाई से जिंदा निकली

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में सड़क हादसे लगातार जान ले रहे हैं। कुल्लू और हमीरपुर जिलों में दो अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दो साल की बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई। पहला हादसा कुल्लू के रोहतांग दर्रे के पास हुआ, जहां एक

कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, हमीरपुर में एक बाइक फिसलकर 150 फुट गहरी खाई में जा गिरी, जिसमें एक युवक की

कुल्लू: रोहतांग दर्रे के पास खाई में गिरी कार, 4 की मौत

मनाली डीएसपी केडी शर्मा के अनुसार, रविवार सुबह कुल्लू जिले के राहनीनाला क्षेत्र में यह हादसा हुआ। कार में कुल पांच लोग सवार थे। अचानक वाहन नियंत्रण से बाहर होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है।

हमीरपुर: बाइक समेत खाई में गिरे युवक की मौत, बच्ची बची

दूसरी घटना हमीरपुर जिले के सुजानपुर क्षेत्र के आंसला गांव की है। शुक्रवार देर रात हुए इस हादसे में बाइक सवार मनसुख कुमार की मौत हो गई। वह अपने दोस्त कंचन कुमार और उसकी दो साल की बेटी के साथ सफर कर रहा था। रास्ता फिसलन भरा था, इसी दौरान मनसुख बाइक से फिसलकर बच्ची के साथ 150 फुट गहरी खाई में गिर गया। लंबे समय तक वापस न लौटने पर कंचन ने गांववालों और पुलिस को सूचना दी।

मुहर्रम भोज में फूड प्वाइजनिंग से हड़कंप

01 की मौत
150 बीमार

एजेंसी । सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नानौता कस्बे में मुहर्रम के दौरान हुए भोज में फूड प्वाइजनिंग की बड़ी घटना सामने आई है। शिया समुदाय की मजलिस के बाद वितरित भोजन और पेय पदार्थों के सेवन से महिलाओं और बच्चों सहित करीब 150 लोग बीमार पड़ गए। उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत के बाद दर्जनों लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इस दौरान 55 वर्षीय शबी हैदर की मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।इमामबाड़ों और घरों में मजलिस के दौरान दूध, कोल्ड ड्रिंक, शरबत और बिरयानी का वितरण किया गया था। देर रात अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। पहले मरीजों को स्थानीय डॉक्टरों के पास ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें सीएचसी और जिला अस्पताल ले जाना पड़ा। कई गंभीर मरीजों को सहारनपुर और चंडीगढ़ तक रेफर किया गया।

अस्पतालों में अव्यवस्था, मरीजों को नहीं मिला इलाज

मरीज कुणाल हैदर और फरहान ने बताया कि सीएचसी में डॉक्टर मौजूद नहीं थे और सभी बेड पहले से फुल थे, जिससे इलाज में देरी हुई। फरहान ने आशंका जताई कि कार्यक्रम में दिए गए 'मिल्क रोज' में कुछ खराबी हो सकती है, क्योंकि अधिकांश लोगों ने वही पिया था। मोहल्ला शेखजादगान निवासी शबी हैदर को चंडीगढ़ ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल में 8-10 मरीज भर्ती हैं, जबकि अन्य को प्राइवेट अस्पतालों में रेफर किया गया है।

कटिहार में मोहर्रम जुलूस के दौरान बवाल

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले के नया टोला इलाके में मोहर्रम के जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी। उपद्रवियों ने रास्ते में पड़ने वाले प्राचीन महावीर मंदिर पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान घर, खिड़कियां, दरवाजे, वाहन किसी को भी नहीं बख्शा गया। बाइक और कारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जुलूस के साथ तैनात पुलिसकर्मियों ने जब उपद्रवियों को रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने पुलिस पर भी हमला कर दिया, जिसके बाद जवानों को पीछे हटना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही हिंदू समुदाय के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों में पथराव शुरू हो गया।

महावीर मंदिर पर पथराव और कई घरों में तोड़फोड़

हाफिज सईद के बेटे ने बिलावल भुट्टो के प्रत्यर्पण बयान पर जताया गुस्सा

एजेंसी । इस्लामाबाद

आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। बिलावल ने कहा था कि पाकिस्तान को हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकियों को भारत को सौंपने में कोई आपत्ति नहीं होगी। इस पर तल्हा ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान देकर बिलावल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

पाकिस्तान को शर्मसार किया है। अल जजीरा को दिए गए इंटरव्यू में बिलावल ने कहा था कि पाकिस्तान हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है।

बिलावल ने देश की बेइज्जती कराई

तल्हा सईद ने कहा कि बिलावल भुट्टो को ऐसा गैर-जिम्मेदार बयान नहीं देना चाहिए था, क्योंकि इससे पाकिस्तान की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा है। तल्हा ने कहा बिलावल मेरे पिता को दुश्मन देश भारत को सौंपने की बात करते हैं, यह बात हम और हमारा समुदाय पूरी तरह खारिज करता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान मीट दुकानों और नाम बदलकर दुकान चलाने के मुद्दे पर विवाद

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में कांवड़ यात्रा के दौरान मीट दुकानों और नाम बदलकर दुकान चलाने के मुद्दे पर विवाद बढ़ता जा रहा है। शकूरपुर बस्ती से बीजेपी विधायक करनैल सिंह ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि कांवड़ यात्रा के दौरान मीट की दुकानें बंद रहनी चाहिए, और जो रहीम है, वह रहीम के नाम से ही दुकान चलाए, राम बनकर कांवड़ियों को भोजन न परोसे। करनैल सिंह ने कहा कि दिल्ली में इस बार कांवड़ यात्रा को लेकर गहरी उत्सुकता है।

गैरकानूनी मीट दुकानों पर कार्रवाई जारी

बीजेपी विधायक ने बताया कि मंदिर प्रकोष्ठ के माध्यम से हर गली-मोहल्ले में निरीक्षण चल रहा है। जहां भी गैरकानूनी मीट की दुकानें मिलीं, उन्हें बंद करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दिल्ली में गैरकानूनी मीट दुकानें नहीं चलेंगी। करनैल सिंह ने आगे कहा कि अब तक मीट दुकानों के मालिकों ने सहयोग किया है और हमारी आस्था का सम्मान किया है, लेकिन नाम बदलकर दुकान चलाना ठीक नहीं है। उन्होंने फिर दोहराया, "कोई भी रहीम बनकर राम का भोजन न परोसे। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस विषय में दिल्ली सरकार या MCD को पत्र लिखेंगे, तो उन्होंने कहा, सरकार हमारी है, मैं खुद संवैधानिक पद पर हूं। उन्होंने भरोसा जताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जल्द ही नया कानून बनाएंगी। जब तक कानून नहीं बनता, तब तक गैरकानूनी दुकानों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

मंडी पहुंचीं कंगना का सुक्खु सरकार पर तीखा हमला

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और भूस्खलन से हुई भीषण तबाही के बीच मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचीं। उन्होंने सिराज घाटी के थुनाग में आपदा से हुए नुकसान का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं प्रकट कीं। इस आपदा में 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अब भी लापता हैं।कंगना रनौत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह थुनाग क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज की मांग करेंगी। उन्होंने कहा यह गरीब लोग हैं, बड़ी मेहनत से कमाते हैं। आपदा ने सब कुछ छीन लिया है। अब यहां की ज़मीन पर घर बनाना मुश्किल है। कंगना ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को आपदा की पूरी जानकारी है, और केंद्र सरकार हरकत में आ चुकी है।

बिहार की हर सीट पर लड़ूंगा चुनाव, कोई मुझे रोक नहीं सकता: चिराग पासवान

एजेंसी । छपरा

बिहार में इसी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा हर सीट पर चिराग

मुझे बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है

मुझे बार-बार बिहार आने से रोका जा रहा है। सीएम नीतीश कुमार पर नाम लिए बिना निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे बिहार में सक्रिय राजनीति करेंगे और किसी भी साजिश से डरने वाले नहीं हैं। नीतीश सरकार को घेरते हुए चिराग ने कहा कि अगर सुशासन की सरकार में भी रोज हत्याएं होती हैं, तो हम खुलकर विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और सरकार मौन बनी हुई है। हम ऐसी सरकार चाहते हैं जो जनता की सुरक्षा और रोजगार की गारंटी दे। चिराग पासवान ने साफ कर दिया है कि वे बिहार की हर सीट पर अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारेंगे।

'आरक्षण खत्म करने की कोई ताकत नहीं'

चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि वे 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के एजेंडे के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतरेंगे। उन्होंने आरक्षण को लेकर फैल रही अफवाहों पर कहा जब तक रामविलास पासवान का बेटा जिंदा है, कोई ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि बिहार से बेरोजगारी और पलायन रोकने के लिए स्थायी समाधान की जरूरत है ताकि लोग अपने गांव, शहर और प्रखंड में ही रोजगार पा सकें। चिराग ने शिक्षा और नौकरी में डोमिसाइल नीति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब 2023 में RJD के पास उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री जैसे अहम पद थे, तब उन्होंने डोमिसाइल नीति क्यों नहीं लागू की?

खुफिया रिपोर्ट फ्रांसीसी रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

राफेल को बदनाम करने में जुटा चीन

एजेंसी । नई दिल्ली

फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन दुनियाभर में राफेल लड़ाकू विमान को बदनाम करने के लिए सुनियोजित झूठ फैला रहा है। चीन ने अपने दूतावासों और सोशल मीडिया के माध्यम से राफेल की साख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है, रिपोर्ट में कहा गया है कि राफेल की बिक्री प्रभावित करने के लिए चीन ने कई देशों में नकली वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और AI-जनरेटेड कंटेंट का इस्तेमाल किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ झूठ का खेल

बताया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई संघर्ष के बाद चीन ने यह अभियान शुरू किया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने J-10C फाइटर जेट और PL-15 मिसाइलों से भारतीय वायुसेना के पांच विमानों को मार गिराया, जिनमें तीन राफेल भी शामिल थे। रिपोर्ट में इसे प्रचार आधारित झूठा दावा बताया गया है। चीन ने संभावित खरीदारों को सलाह दी कि वे राफेल विमान के बजाय चीन निर्मित लड़ाकू विमान खरीदें।

अन्य देशों के अधिकारियों से भी झूठे दावे

रिपोर्ट के अनुसार, चीनी दूतावासों के रक्षा अधिकारियों ने अन्य देशों के सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात कर राफेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए और चीनी हथियारों की क्षमता को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। फ्रांस की इस रिपोर्ट के दावों को लेकर चीन के रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है। मंत्रालय ने कहा कि यह महज एक राजनीतिक हथकंडा है, जिसका उद्देश्य चीन को बदनाम करना है। मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूरी तरह निराधार करार दिया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब राफेल की लोकप्रियता बढ़ रही है।

लुधियाना में निवेश के लिए जुटेंगे उद्योगपति, CM मोहन यादव कल करेंगे रोड शो और इंडस्ट्री विजिट

एजेंसी । भोपाल

मध्यप्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लुधियाना में 7 जुलाई को एक महत्त्वपूर्ण रोड शो का आयोजन किया जाएगा।

बेंगलुरु और सूरत के सफल आयोजनों के बाद यह रोड शो टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग और आईटी क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक और अहम कदम है। आयोजन में मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, स्थिर नीतियों और निवेश-अनुकूल माहौल को देश के अग्रणी उद्योगपतियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

वर्धमान और दीपक फास्टनर यूनिट्स का दौरा करेंगे सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लुधियाना में स्थित वर्धमान टेक्सटाइल और दीपक फास्टनर जैसे प्रतिष्ठानों का दौरा करेंगे। इन इंडस्ट्री विजिट्स के दौरान वे उत्पादन तकनीकों और प्रबंधन प्रणाली को समझेंगे और मध्यप्रदेश में संभावित निवेश के अवसरों पर इन औद्योगिक समूहों से चर्चा करेंगे।